घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 187- शनिवार 09 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सुवेंदु अधिकारी बंगाल के सीएम होंगे

विधायक दल के नेता चुने गए,आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेंगे

घुसपैठ,हिंसा,कट मनी खत्म करेंगे,महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी : अमित शाह

कोलकाता,08 मई 2026। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ,हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी। सुवेंदु आज सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी,शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे। 56 साल के सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

शाह बोले...दीदी का सूपड़ा साफ हो गया

शाह ने कहा- बंगाल की जनता में हमें जन समर्थन दिया। उसका आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। दीदी का सूपड़ा साफ हो गया।

शाह बोले...पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे

शाह ने कहा...भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल,पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। बंकीम बाबू के परिवार से बहन सुनित्रा चटोपाध्याय हमारे साथ जुड़ी हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वंदे मातरम के 150वें साल में बंकीम बाबू की धरती पर हमें सरकार बनाने का मौका मिला।

शाह बोले...सुवेंदु दा ने दीदी को उनके घर में हराया

शाह ने कहा...भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। सुवेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है। भवानीपुर की जनता का दिल से धन्यवाद। इस जीत का महत्व पार्टी के विस्तार तक सीमित नहीं है। इसका महत्व भाजपा-एनडीए का 21वां राज्य हुआ तक सीमित नहीं है। शाह ने कहा- जहां मन भय मुक्त हो, सिर गर्व से ऊंचा हो, ऐसे बंगाल का रास्ता प्रशस्त हो चुका है। 5 दशक का लंबा समय लोकतंत्र की दृष्टि से बंगाल के लिए दिन में सपने जैसा था। मोदी ने जो वादा किया है, उसे पूरा करने के लिए हम हमारा सर्वश्रेष्ठ अर्पित करें। बंगाल की संस्कृति, परंपरा को 5 दशक से विदेशी विचारों से प्रभावित शासन से मुक्त बंगाल की दिशा में आगे बढ़े।

सुवेंदु बोले...संदेशखाली और आरजी कर मामले की जांच के लिए आयोग बनाएंगे

हमारे हजारों कार्यकर्ताओं ने सालों तक हिंसा,उत्पीड़न और झूठे मामलों का सामना किया है। अब बीजेपी सरकार उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का काम करेगी। महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसे मामलों की जांच के लिए आयोग बनाएंगे। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सभी चुनावी वादों को लागू किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम करेंगी ताकि जनता की उम्मीदें पूरी हो सकें। पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल का पुनर्निर्माण करना है। रिटायर्ड जजों की अगुवाई में आयोग गठित किए जाएंगे, जो संस्थागत भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करेंगे। संदेशखाली की पीड़ित रेखा पात्रा के पास मैसेज गया है कि उन्हें भी मंत्री बनाया जा रहा है। हालांकि उन्हें कौन सा विभाग दिया जाएगा,इसकी जानकारी नहीं है।

शाह बोले...2014 में बंगाल में खाता खुला आज हमारी सरकार

शाह ने कहा...2014 से जो यात्रा निकली,ये अभूतपूर्व यात्रा है। अपने पुरुषार्थ से,कौशल से जनमत को कैसे संजोया जा सकता है। इसका दुनियाभर में सबसे बेहतरीन उदाहरण है 2014 से 2026 तक भाजपा की यात्रा। पूरा देश आज इस बात के लिए हमारे पार्टी और मोदी जी को स्वीकृति देता है। 2014 में बंगाल में हमारा खाता खुला। फिर 3 हुए,अगले चुनाव में 77 हुए और आज हम यहां बैठे हैं। अमित शाह ने कहा- आज बंगाल का विजय अनेक लिहाज से अहम है। 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी।

सीएम कुर्सी का मोह! ममता बनर्जी ने नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल

बंगाल,08 मई 2026। पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल नहीं बदली है। वे आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की 'पूर्व मुख्यमंत्री' बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी 'मुख्यमंत्री' का टैग बरकरार रखा है। ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और 'एक्स' पर अभी भी 'माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल' का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं। इससे पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने 17वीं विधानसभा को भंग कर दिया। 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो चुका था। लिहाजा, राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(बी) से प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग किया। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। 2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं।

इंस्टाग्राम का बड़ा एक्शन : लाखों फर्जी अकाउंट हटाए,कई बड़े सेलेब्स के घटे फॉलोअर्स

नई दिल्ली,08 मई 2026। सोशल मीडिया की दुनिया में इंस्टाग्राम को सबसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म में से एक माना जाता है, जहां लोग अपने फोटो, वीडियो और रील्स के जरिए लाखों लोगों तक पहुंच बनाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे इसकी लोकप्रियता बढ़ी है, वैसे-वैसे फर्जी अकाउंट और बॉट्स की समस्या भी बढ़ती गई है। इसी समस्या को खत्म करने के लिए इंस्टाग्राम ने साल 2026 में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने बड़े पैमाने पर एक सफाई अभियान चलाया, जिसमें लाखों ऐसे अकाउंट हटाए गए, जो या तो लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहे थे या फिर पूरी तरह से फर्जी और ऑटोमेटेड थे। इस कार्रवाई के बाद कई बड़े सेलिब्रिटी, इन्फ्लुएंसर और ब्रांड्स के फॉलोअर्स की संख्या में अचानक गिरावट देखने को मिली, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

सद्भाव यात्रा में राहुल गांधी बोले- भाजपा लोकतंत्र और किसानों पर हमला कर रही है

गुरुग्राम की सद्भावना यात्रा में केंद्र सरकार पर जमकर बरसे विपक्ष के नेता

गुरुग्राम,08 मई 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार शाम गुरुग्राम में सद्भाव यात्रा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर लोकतंत्र, संविधान और किसानों के अधिकारों पर हमला करने का आरोप लगाया। इससे पूर्व राहुल गांधी खांडसा मंडी से लेकर एसडी स्कूल चौक तक सद्भाव यात्रा में शामिल हुए। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की ओर से यह यात्रा निकाली जा रही है। इसके बाद आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने देश में चुनाव चोरी करने का सिस्टम बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में लाखों मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए और नए नाम जोड़े गए। चुनाव आयोग भी भाजपा के दबाव में काम कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा नेताओं को लगता है कि उनका

शासन कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन अब देश की जनता सच्चाई समझ चुकी है। देश के लोग समझ रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार देश की संपत्तियों को चुनिंदा उद्योगपतियों के हाथों बेचने का काम कर रही है।राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम लेकर कहा कि एयरपोर्ट, पावर प्लांट, इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां तक कि निकोबार द्वीपों तक को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता समझ रही है कि भाजपा सरकार अडानी-अंबानी मॉडल पर काम कर रही है, जहां कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए नीतियां बनाई जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अडानी कंपनी का नाम मोडानी होनी चाहिए। क्योंकि यह कंपनी बीजेपी का फाइनेंशियल स्ट्रक्चर है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी को हराएगी, फिर देखना हम क्या कार्रवाई करते हैं। इन्होंने लोकतंत्र खत्म किया है, हम इस बात को भूलने वाले नहीं।

कांग्रेस को बड़ा झटका : पूर्व विधायक का निधन,66 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

इंदौर,08 मई 2026। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक अश्विन जोशी का निधन हो गया है। 66 वर्षीय जोशी पिछले कई दिनों से बीमारी से जूझ रहे थे। सीने में तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उनके निधन की खबर मिलते ही इंदौर के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है। इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 में एक जाना-पहचाना चेहरा माने जाते थे। वे अपने सरल स्वभाव, मृदुभाषी व्यक्तित्व और मजबूत जनसंपर्क के लिए लोकप्रिय थे। वे 1998 से 2013 तक लगातार तीन बार विधायक रहे और 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के आकाश विजयवर्गीय के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव भी लड़ा था।

एक्टर विजय तमिलनाडु के सीएम होंगे

राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा,सरकार बनाने की मंजूरी मिली

चेन्नई,08 मई 2026। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म हो गया है। टीवीके चीफ और एक्टर विजय मुख्यमंत्री बनेंगे। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। विजय आज सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को टीवीके,कांग्रेस, सीपीआई,सीपीआई(एम) और वीसीके के कुल 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 234 में से 108 सीटें जीती हैं। इनमें दो सीटों पर विजय जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में कुल विधायक 107 हैं। कांग्रेस के 5 और सीपीआई,सीपीआई(एम) और वीसीके के 2-2 विधायकों के समर्थन से टीवीके ने बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है।

टीवीके समर्थकों ने लोकभवन के सामने प्रदर्शन किया

टीवीके को बहुमत नहीं मिलने के केस में डीएमके और एआईएडीएमके में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं। टीवीके ने कहा कि अगर दोनों पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा पेश किया, तो उसके सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। टीवीके समर्थकों ने शुक्रवार सुबह गवर्नर हाउस (लोकभवन) के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस ने कई समर्थकों को हिरासत में लिया। कांग्रेस से गठबंधन टूटने के बाद डीएमके ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट बदलने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि गठबंधन टूटने के बाद सदन में कांग्रेस के साथ बैठना सही नहीं है।

टीवीके को सरकार बनाने के लिए बुलाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

तमिलनाडु के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को टीवीके को सरकार बनाने के लिए बुलाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता एझिलारसी ने खुद को पार्टी का सदस्य बताते हुए कोर्ट से कहा कि टीवीके को राज्य में सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। ऐसे में राज्यपाल द्वारा टीवीके चीफ को सरकार बनाने के लिए न बुलाना संविधान के खिलाफ है। कोर्ट को हस्तक्षेप कर राज्यपाल को निर्देश देना चाहिए कि टीवीके को सरकार बनाने के लिए बुलाए। हालांकि टीवीके सूत्रों ने इस बात से इनकार किया है कि पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में कोई अर्जी दी है।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर,सर्वर,ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,08 मई 2026। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है। वैष्णव ने कहा, 'गूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है।' विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है।

केजरीवाल को बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टली,11 मई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली,08 मई 2026। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में एक बार फिर सियासी और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 22 आरोपियों को ट्रायल कोर्ट से मिली राहत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। इस बीच केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक द्वारा सुनवाई के बहिष्कार और 'सत्याग्रह' के ऐलान ने मामले को और ज्यादा विवादित बना दिया है। हाईकोर्ट अब इस संवेदनशील मामले पर अगली सुनवाई 11 मई को करेगा। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा कि जो अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

तीनों सेनाओं के कमांडरों ने जयपुर में साइबर और स्पेस युद्ध पर किया गहन मंथन

नई दिल्ली,08 मई 2026। तीनों सेनाओं के कमांडर भविष्य के साइबर और स्पेस युद्ध पर चर्चा करने के लिए जयपुर में इकट्ठा हुए। सेना की दक्षिणी-पश्चिमी कमान के नेतृत्व में हुई दो दिन की कमांडर्स कांफ्रेंस में नवाचार, स्वदेशीकरण और नागरिक-सैन्य संलयन के जरिए आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि वे देश के दुश्मनों के लिए 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को बढ़ावा दें, ताकि वे किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर में 'नए डोमेन में मिलिट्री

कैपेबिलिटी' विषय पर हुई दो दिनों की कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन शुक्रवार को शामिल हुए। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह मनाने के लिए जयपुर पहुंचे रक्षा मंत्री ने कॉन्फ्रेंस के पहले दिन ऑपरेशन सिंदूर पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज की। उन्होंने विजन 2047 और इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन आर्किटेक्चर और एयर डिफेंस के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन भी रिलीज किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के कमांडरों से कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर और मौजूदा ग्लोबल सुरक्षा हालात से सीखकर भविष्य के लिए तैयार रहें। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को कम समय का गहराई तक जाने वाला हाई-इंटेंसिटी और हाई-इम्पैक्ट ऑपरेशन बताया, जिसने दिखाया कि भारत अपने दुश्मन को सरेंडर करने पर मजबूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रदर्शन और नए सैन्य मूल्यों का प्रतीक था। रक्षा मंत्री ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक सुरक्षा परिदृश्य में तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया। उभरती टेक्नोलॉजी के बदलाव लाने वाले असर पर रेखांकित करते हुए उन्होंने संघर्ष के सभी पहलुओं में एक साथ देश की तैयारी पक्की करने की अहमियत पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं में संयुक्तता, एकीकरण और प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ाने में हुई तरक्की की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैश्विक रक्षा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों में संयुक्तता एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि नई सोच और बेहतर तालमेल से जीते जाएंगे। उन्होंने दुश्मन के एलिमेंट ऑफ सरप्राइज से सावधान रहने और हमेशा दो कदम आगे रहने को कहा। उन्होंने हथियारों और प्लेटफॉर्म के जरिए रक्षा बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के वादे को दोहराया। उन्होंने कहा कि खास डोमेन में रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान,नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, सेना स्टाफ के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी,वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह,रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह,रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत,सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) सुकृति लिखी, सचिव (रक्षा वित्त) विश्वजीत सहाय और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री पर मुकदमा चलाने में देरी,सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली,08 मई 2026। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहने के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी पर निर्णय 2 सप्ताह पहले आ जाना चाहिए था। राज्य सरकार से यह मंजूरी विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मांगी थी। बार एंड बेंच के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी ने मामले की जांच शुरू की थी और शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए

मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार से मंजूरी मांगी थी। सीजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा, अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। बहुत हो गया। सबसे पहले तो माफी मांगनी चाहिए थी। संज्ञान लेने के बाद ही माफी मांगी गई। 4 सप्ताह बाद इसे सूचीबद्ध कीजिए। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अभी मंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी पर फैसला लंबित है। मेहता ने कहा, उन्होंने जो कहा वह दुर्भाग्यपूर्ण था। संभवतः वह महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे, लेकिन वह अपने शब्दों को व्यक्त नहीं कर सका। सीजेआई इससे असमत दिखे और बोले, यह दुर्भाग्यपूर्ण नहीं,अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के रूप में, वह महिला अधिकारी की प्रशंसा करने का तरीका बखूबी जानते हैं। जनजातीय मंत्री शाह ने 12 मई को इंदौर के एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कर्नल कुरैशी को लेकर कहा था, जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे।

डीआरडीओ और वायु सेना ने किया पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली का परीक्षण

नई दिल्ली,08 मई 2026। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायु सेना ने ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन हथियार का पहला परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा। टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। टीएआरए अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है। डीआरडीओ के मुताबिक टीएआरए को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत और डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं ने

डिजाइन और विकसित किया है। जमीन पर मौजूद लक्ष्य को बेअसर करने के लिए हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाने के लिए यह पहला ग्लाइड हथियार है, जिसमें कम लागत वाले सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। इस किट को कई भारतीय उद्योगों के साथ मिलकर बनाया गया है, जिन्होंने पहले ही प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, वायु सेना, उद्योगों को पहले उड़ान परीक्षण के लिए बधाई दी है और इसे भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण विकास बताया है।

संपादकीय

आतंक के खिलाफ निर्णायक प्रहार

रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और पश्चिम एशिया के न युद्ध-न शांति के दलदल में फंसे होने के बावजूद हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले आपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। इस आपरेशन की सबसे खास बात थी- सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल,ताकि संघर्ष-विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें,जो सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इसका उद्देश्य था, पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तानी सेना जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। यह एक जिम्मेदार ताकत द्वारा राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के बार-बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सजा देने के लिए चलाया गया एक सटीक और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकरोधी अभियान में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था,पर इस बार जैश और लश्कर के मुख्यालयों पर हमले की तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की नई प्रवृत्ति और संघर्ष बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। इसमें यह सोच स्पष्ट थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है,भले ही पाकिस्तान को और अधिक नुकसान पहुंचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद हो।

भारत ने आपरेशन सिंदूर के दौरान कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष समाप्त करने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई,उसने पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डालर से भी ज्यादा खप चुके हैं और तनाव अभी भी कायम है।

आपरेशन सिंदूर की तैयारी के चरण में केंद्रीकृत नियंत्रण का एक स्पष्ट माडल देखने को मिला। इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षामंत्री थे,जबकि दूसरे पर सीडीएस और तीनों सैन्यप्रमुख। सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे। इससे उन्हें व्यावहारिक कार्ययोजना बनाने में मदद मिली।

भले ही हजारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य,सुन जू,क्लाजविट्ज,लिडेल हार्ट जैसे रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। आपरेशन सिंदूर की सफलता ने प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया। भारत ऐसा इसलिए कर पाया, क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फैसले लेने के तरीकों का पालन किया। वायु सेना के इस्तेमाल का फैसला एक साहसी कदम था,जो आज के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से विश्लेषण करने की जरूरत है। चीन से मिली पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया।
इस हमले में पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में मौजूद लश्कर,जैश और हिजबुल मुजाहिदीन के 9 आतंकी ठिकाने तबाह हो गए। कुछ ही घंटों के भीतर भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा नूर खान,सियालकोट,सरगोधा, स्कार्दू,भोलारी,जैकोबाबाद एयरबेस जैसे 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई से पाकिस्तान की सामरिक क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा। हवाई हमलों की तीव्रता से यह साफ हुआ कि पाकिस्तान को पहुंची क्षति 1971 के युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर वायुसेना द्वारा पाकिस्तानी वायु सेना के हवाई अड्डों को पहुंचाए गए कुल नुकसान से कहीं ज्यादा था।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली की परिपक्वता को भी साबित कर दिया,जो दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन-केंद्रित रणनीति का मुकाबला करने में सक्षम है। हालांकि वायुसेना को भविष्य में अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के खिलाफ किसी भी सीमित संघर्ष की स्थिति में अपने प्लेटफार्म, हथियारों और प्रणालियों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए तेज गति से सीखने की आवश्यकता होगी। भविष्य के युद्ध-क्षेत्रों में लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों से मुकाबले के लिए एकीकरण और तालमेल की जरूरत होगी।

वर्तमान में चल रहे सुधारों और ढांचागत पहलों पर शायद फिर से विचार करना पड़े,ताकि एक ऐसा संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा सके,जो आपरेशन सिंदूर के दौरान सीखे गए अनुभवों पर आधारित हो। हालांकि दुनिया भर में चल रहे संघर्षों से कई रणनीतिक सबक मिलते हैं, लेकिन भारत को दूसरी जगहों से युद्ध-लड़ाई के माडल अपने रणनीतिक और परिचालन वातावरण पर लागू करने के प्रति सावधान रहना चाहिए। मिसाइल और ड्रोन पर ज्यादा जोर देने के समर्थकों को फिर से सोचना चाहिए। भारत के पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर जैसा हवाई माहौल है, जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हैं, वहां सिर्फ बहुक्षेत्रीय परिचालन ही सफल होंगे।

पढ़ाई बढ़ी...लेकिन स्किल क्यों नहीं बढ़ी?

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

आज का समाज एक अजीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ शिक्षा का स्तर पहले से कहीं अधिक ऊँचा दिखाई देता है—हर घर में बच्चे पढ़ रहे हैं,कोचिंग,ऑनलाइन क्लासेस और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं,और परिणामस्वरूप अंक भी लगातार बेहतर हो रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ एक सवाल लगातार सिर उठाता है—क्या सच में हम सीख रहे हैं, या सिर्फ अंकों का संग्रह कर रहे हैं?

यह विडंबना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है,बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक बच्चों को एक ऐसी दौड़ में शामिल कर दिया गया है,जहाँ लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाना, उच्च रैंक हासिल करना और अधिक से अधिक प्रमाण-पत्र जुटाना रह गया है। इस पूरी प्रक्रिया में सीखना कहीं पीछे छूट गया है। बच्चे यह समझने लगते हैं कि सफलता का मतलब है परीक्षा में सही उत्तर लिख देना,न कि उस ज्ञान को जीवन में लागू कर पाना।

इसी कारण आज हम ऐसे युवाओं को देखते हैं जो कागज पर बेहद सफल हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की चुनौतियों के सामने असहज हो जाते हैं। वे जटिल प्रश्न हल कर सकते हैं, लेकिन सरल समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में अटक जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी,निर्णय लेने में झिझक,और नई परिस्थितियों में खुद को ढालने की कमजोरी—ये सब उस शिक्षा का परिणाम हैं जो याद करने पर अधिक और समझने पर कम आधारित है।

हमारी शिक्षा प्रणाली लंबे समय से रटने की संस्कृति पर टिकी रही है। बच्चों को यह सिखाया जाता है कि कौन-सा प्रश्न कैसे आएगा और उसका उत्तर किस तरह लिखना है। इस प्रक्रिया में उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। वे सवाल पूछने से कतराने लगते हैं,क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं वे गलत न साबित हो जाएँ। रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच,जो किसी भी समाज के विकास के लिए जरूरी होती है,इस दबाव में दब जाती है।

जब यही बच्चे उच्च शिक्षा पूरी कर नौकरी की दुनिया में प्रवेश करते हैं, तब वास्तविकता सामने आती है। कंपनियाँ केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल चाहती हैं—समस्या को समझने की क्षमता, टीम के साथ काम करने का हुनर,संवाद कौशल,और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की योग्यता। लेकिन शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें इन सबके लिए तैयार ही नहीं किया होता। यही कारण है कि डिग्री बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने में युवा पीछे रह जाते हैं। यह केवल बेरोजगारी का नहीं, बल्कि स्किल गैप का संकट है।

इस पूरी प्रक्रिया का एक और गंभीर पहलू है—मानसिक दबाव। आज के छात्र पर अपेक्षाओं का बोझ बहुत अधिक है। परिवार, समाज और प्रतिस्पर्धा—तीनों मिलकर उस पर निरंतर दबाव बनाते हैं कि वह हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करे। लेकिन जब पढ़ाई का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता,तो यह दबाव धीरे-धीरे तनाव और भ्रम में बदल जाता है। बच्चे यह समझ ही नहीं पाते कि वे जो पढ़ रहे हैं,उसका उनके जीवन से क्या संबंध है।

असल में शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल परीक्षा पास करना नहीं था। शिक्षा का अर्थ है व्यक्ति को जीवन के लिए तैयार करना—उसे सोचने,समझने और निर्णय लेने की क्षमता देना। यह उसे केवल जानकारी नहीं,बल्कि उस जानकारी का उपयोग करना सिखाती है। लेकिन जब शिक्षा केवल अंकों तक सीमित हो जाती है, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है।

समस्या का समाधान भी इसी समझ में छिपा है। जब तक हम शिक्षा को केवल परिणाम के रूप में देखेंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। जरूरत है कि हम प्रक्रिया पर ध्यान दें—कैसे बच्चे सीख रहे हैं,क्या वे वास्तव में समझ रहे हैं, क्या वे अपने ज्ञान को लागू कर पा रहे हैं। पाठ्यक्रम को ऐसा बनाया जाना चाहिए जो बच्चों को सोचने और प्रयोग करने के लिए प्रेरित करे। परीक्षा प्रणाली को इस तरह बदला जाना चाहिए कि वह केवल याददाश्त नहीं, बल्कि समझ और अनुप्रयोग को परखे।

शिक्षकों की भूमिका भी इस बदलाव में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं,बल्कि मार्गदर्शक बनना होगा,जो बच्चों को सवाल पूछने,गलती करने और उससे सीखने के लिए प्रेरित करें। वहीं अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों की सफलता को केवल अंकों से नहीं,बल्कि उनके कौशल,आत्मविश्वास और समझ से आंकना होगा।

डिजिटल युग ने सीखने के नए रास्ते खोले हैं,लेकिन इनका सही उपयोग तभी संभव है जब हमारे पास सीखने की सही दृष्टि हो। केवल जानकारी तक पहुँच होना पर्याप्त नहीं है,उसे समझना और उपयोग करना ही असली शिक्षा है।

अंततः यही बात सबसे महत्वपूर्ण है कि नंबर यह बताते हैं कि आपने कितना याद किया,लेकिन ज्ञान और कौशल यह बताते हैं कि आप क्या कर सकते हैं। यदि हमारी शिक्षा प्रणाली इस अंतर को समझने में सफल हो जाती है, तो न केवल छात्रों का भविष्य बेहतर होगा, बल्कि समाज भी अधिक सक्षम और जागरूक बनेगा।

आज जरूरत है इस सवाल को गंभीरता से पूछने की—क्या हम सच में शिक्षित हो रहे हैं,या सिर्फ शिक्षित दिखने की कोशिश कर रहे हैं? क्योंकि जब तक इस सवाल का ईमानदार जवाब नहीं मिलेगा, तब तक पढ़ाई बढ़ती रहेगी, लेकिन स्किल नहीं बढ़ेगी।

गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

पश्चिम बंगाल में वैसे तो बहुत सारे महापुरुष हुए हैं लेकिन आजाद हिंद सेना की स्थापना करने वाले सुभाष चंद्र बोस और महान शख्सियत गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर का नाम प्रमुख है। उनका जन्म 7 मई,1861 को कोलकाता में हुआ तथा उनकी मृत्यु 7 अगस्त,1941 में हुई। वह बंगाली कवि,कथाकार,गीतकार, नाटकार,निबंध कार तथा चित्रकार थे। 1913 में उन्हें उनकी प्रख्यात पुस्तक गीतांजलि के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले वह पहले गैर यूरोपीय लेखक थे। उन्होंने बंगाली साहित्य,संगीत तथा कला को विकसित किया। गीतांजलि में उन्होंने अत्यंत संवेदनशील,ताजगी भरी तथा सुंदर कविताओं का लेखन किया। उनकी पत्नी मृणालिनी देवी थी तथा उनके पांच संतान थी। रविंद्र नाथ टैगोर को,गुरुदेव, कवि गुरु,विश्व गुरु,के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने दो राष्ट्रगान लिखें। एक राष्ट्रगान 1905 में बंगाल विभाजन के समय लिखा जिसका संबंध पश्चिम बंगाल से है और दूसरा राष्ट्रगान,जन गण मन अधिनायक जय हे,है जिसे 24 जनवरी,1950 में संविधान में राष्ट्रगान के तौर पर शामिल कर लिया गया। उन्होंने कोलकाता में शांतिनिकेतन में विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना की। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश भाग यही बिताया। उन्हें नाइटहुड का सम्मान भी दिया गया था जिसे 1919 में जलियां वाले बाग में अंग्रेजों द्वारा हत्याकांड के कारण उन्होंने ठुकरा दिया। वह पश्चिमी संस्कृति तथा भारतीय संस्कृति के आदान-प्रदान में विश्वास रखते थे। लेकिन उनका ज्यादा लगाओ बांग्ला भाषा में ही था। उनका महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध था। उनका स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा। महात्मा गांधी के साथ उनके सौहार्दपूर्ण संबंध थे।

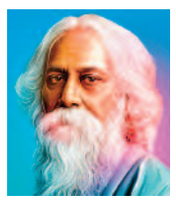

उन्होंने गांधी जी को पहली बार,महात्मा, कहकर संबोधित किया जिसके कारण आगे को उन्हें महात्मा गांधी कहा जाने लगा। और महात्मा गांधी ने भी उनको सबसे पहले,गुरुजी,की उपाधि दी। जिसे लेकर आगे को उन्हें गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर के तौर पर संबोधित किया जाने लगा । रवींद्रनाथ टैगोर ने 1901 में, टूटा हुआ घोंसला,1903 में,आंखों का कांटा,1906 में,नौका डूबी,उपन्यास लिखा था। लेकिन उनकी रचनाओं में,,, गीतांजलि,सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने गद्य और पद्य दोनों में ही बांग्ला साहित्य का सृजन किया। उनकी रचनाएं लोगों के साधारण जीवन से ही संबंधित है, मार्मिक है तथा व्यंगात्मक है। बंगाल के प्रख्यात फिल्म निर्माता,सत्यजीत रे ने उनके साहित्य को आधार बनाकर कई फिल्में भी बनाई है जिनमें,चारुलता तथा नष्टनीड का विशेष तौर पर वर्णन किया जा सकता है। सत्यजीत रे ने गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर पर एक वृत्त चित्र भी बनाया है। रविंद्र नाथ टैगोर को मानवतावादी, दार्शनिक, शिक्षाविद् तथा दूरदर्शी के तौर पर याद किया जाना चाहिए। लोग आज भी रविंद्र संगीत बहुत शौक से सुनते हैं। गीतांजलि और शांतिनिकेतन के कारण रविंद्र नाथ टैगोर जिनका बचपन का नाम रविंद्र नाथ ठाकुर था,याद करते हैं।

यादों का सफर

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

जब इन यादों के मोतियों को एक धागे में पिरोया जाता है,तो वह महज एक कहानी नहीं, बल्कि एक पूरा दौर बन जाता है। गाँव की मिट्टी की सोंधी महक से लेकर शहर की ऊंची इमारतों तक का यह सफ़र, हमारे जीवन की सबसे सशक्त दास्तान है।
रेल का सफ़र,छुट्टिया सिर्फ़ एक शब्द नहीं,बल्कि एक अहसास हुआ करती थीं। सफ़र की शुरुआत रेलवे स्टेशन से नहीं, बल्कि घर के उस कच्चे आंगन से होती थी जहाँ बोरिया-बिस्तर बाँधे जा रहे होते थे। पड़ोसी पूछते कहां जा रहे हो जल्दी अज़ान अच्छा नहीं लगेगा सुना आंगन,ये थी उस दौर की मोहब्बतें,ओर अपना पन,गांव वाले कहते चलो हम भी मदद कर देते है समान लेजाने में,गाँव की वह आख़िरी सुबह हमेशा कुछ भारी सी होती थी। घर के बु ुर्गों के पैर छूना, पड़ोसियों का दुआएं देना और पीछे छूटते नीम के पेड़ों को हाथ हिलाते हुए विदा कहना,एक गहरा अहसास था। गाँव की ठंडी हवा और तांगे के हिचकोले खाते हुए जब हम छोटे से स्टेशन पहुँचते, तो कपड़ों पर जमी वह गाँव की धूल हमारे साथ एक पहचान बनकर चलती थी।
स्टेशन पहुँचते ही एक अलग दुनिया सामने होती। वह पीली रोशनी वाला प्लेटफॉर्म और लोहे के वे भारी संदूक (ट्रंक), जिन पर घर का पता बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता था। उन संदूक के ऊपर बैठकर हम भाई-बहन ट्रेन का इंतज़ार करते,जबकि पापा कुली से मोल-भाव करने और मम्मी हमारा सामान सहेजने में व्यस्त रहतीं। वह इंतज़ार थकाने वाला नहीं,बल्कि उम्मीदों से भरा होता था।तभी दूर क्षितिज पर काला धुआं दिखाई देता और भाप के इंजन की वह गूंजती हुई सीटी दिल की धड़कनें बढ़ा देती। जब वह विशालकाय इंजन जमीन को थर्थराता हुआ प्लेटफॉर्म पर आकर रुकता,तो हवा में कोयले की सोंधी महक घुल जाती। डिब्बे में चढ़ने की वह आपाधापी,भीड़ के बीच अपनी जगह बनाना और आखिर में उस जादुई खिड़की वाली सीट को पा लेना,यही हमारे बचपन की सबसे बड़ी जीत थी।
जैसे ही ट्रेन अपनी धीमी रफ्तार से

चलना शुरू करती,खिड़की के बाहर का मंज़र किसी फिल्म की तरह बदलने लगता। पीछे भागते बिजली के खंभे,हाथ हिलाते हुए चरवाहे और लहलहाते खेत,ऐसा लगता मानो पूरी दुनिया हमारे साथ दौड़ रही है। जब ट्रेन किसी विशाल नदी के ऊंचे पुल से गुज़रती, तो पटरियों की वह धड़-धड़ वाली आवाज हमारे उत्साह को दोगुना कर देती थी। हम बच्चे खिड़की से नीचे बहती नदी में इस उम्मीद के साथ सिक्का फेंकते कि हमारी हर मासूम मुराद पूरी हो जाए।

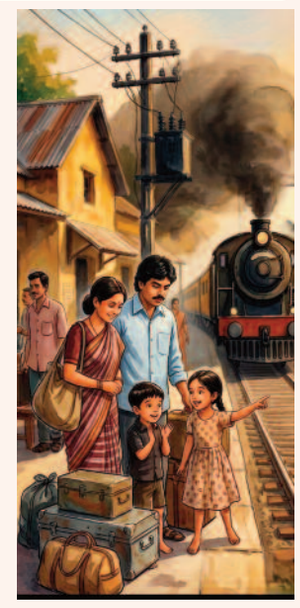

सफ़र का सबसे ख़ुशनुमा पड़ाव तब आता जब मम्मी वह कपड़े की पोटली या एल्युमीनियम का डिब्बा खोलती थीं। घर के बने परांठे और आम के अचार की खुशबू पूरे डिब्बे में फ़ैल जाती। साथ बैठे अजनबी मुसाफ़िर भी उस स्वाद का हिस्सा बन जाते और सफ़र की थकान जैसे पलों में ग़ायब हो जाती। पापा का ऊपर वाली बर्थ पर पहरा देना और हमारा मम्मी के साये में महफूज सो जाना,वह नींद दुनिया के किसी भी मख़मली बिस्तर से कहीं ज्यादा गहरी थी।सुबह होते ही खिड़की के बाहर का नजारा बदलने लगता। हरियाली की जगह अब कंक्रीट के जंगल,ऊंचे कारखाने और पटरियों का जाल बिछने लगता। यह शहर की आहट थी। जंक्शन पर उतरते ही वह हजारों अजनबियों की भीड़ और लाउडस्पीकर का शोर हमें थोड़ा डराता जरूर था,लेकिन पापा का मजबूत हाथ थामे हम बेख़ौफ़ आगे बढ़ जाते।
गाँव की वह शांति पीछे छूट गई थी और सामने संभावनाओं से भरा एक नया शहर था। आज हम जिंदगी की दौड़ में बहुत आगे निकल आए हैं, लेकिन दिल के किसी कोने में वह छुक-छुक करती ट्रेन,मम्मी-पापा का वह हाथ और खिड़की से आती कोयले की महक आज भी जिंदा है। वह सफ़र महज एक दूरी नहीं, बल्कि संस्कारों और यादों का एक अटूट सिलसिला था।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

ज्ञान के मंदिर पर बाजार का कब्जा

डॉ. विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

आज का विद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं रह गया है; उसकी चौखट पर बाजार खड़ा दिखाई देता है—सजधज कर,आकर्षक पैकेजिंग के साथ,और अपने विस्तार की असीम संभावनाओं के साथ। कभी शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास,नैतिकता और समाज निर्माण से जुड़ा था,परंतु अब धीरे-धीरे यह एक 'सेवा' से 'उत्पाद' में बदलती जा रही है। इस परिवर्तन ने शिक्षा के मूल स्वरूप को चुनौती दी है, और यह प्रश्न उठाया है कि क्या हम वास्तव में सीख रहे हैं, या केवल खरीद रहे हैं?

विद्यालयों के बाहर कोचिंग संस्थानों,गाइड पुस्तकों,डिजिटल ऐप्स और निजी ट्यूशन का जाल फैल चुका है। यह पूरा तंत्र बच्चों और अभिभावकों को यह विश्वास दिलाता है कि बिना इन 'अतिरिक्त साधनों' के सफलता संभव नहीं। परिणामस्वरूप,स्कूल में होने वाली पढ़ाई का महत्व घटने लगता है। छात्र कक्षा में उपस्थित तो रहते हैं,पर उनका ध्यान अक्सर उस 'बाजार'की ओर होता है जो उन्हें तेज़,आसान और सुनिश्चित सफलता का वादा करता है।

बाजार की यह घुसपैठ केवल शैक्षणिक सामग्री तक सीमित नहीं है। आज स्कूलों में ब्रांडेड यूनिफॉर्म,महंगे बैग, विशेष किताबें,और अनिवार्य गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क—ये सब मिलकर शिक्षा को महंगा और असमान बना रहे हैं। शिक्षा का अधिकार तो सबको है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब धीरे-धीरे केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है जो इसे 'अफोर्ड'कर सकते हैं। इससे समाज में एक नया वर्ग विभाजन उत्पन्न हो रहा है—शिक्षा आधारित असमानता।

डिजिटल क्रांति ने भी इस बाजार को और मजबूत किया है। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म,एड-टेक कंपनियाँ और वर्चुअल क्लासेस ने शिक्षा को तकनीकी रूप से उन्नत तो बनाया है,लेकिन इसके साथ ही शिक्षा का व्यावसायीकरण भी बढ़ा है। विज्ञापन यह बताते हैं कि 'स्मार्ट लर्निंग' ही सफलता की कुंजी है,जबकि वास्तविकता यह है कि तकनीक केवल एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं।

इस परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित होता है—शिक्षक और छात्र का संबंध। शिक्षक,जो कभी मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हुआ करता था,अब कई बार केवल एक 'सेवा प्रदाता'के रूप में देखा जाने लगता है। वहीं छात्र,जो जिज्ञासु और खोजी होना चाहिए, वह अंकों और रैंकिंग के दबाव में अपनी मौलिकता खोने लगता है। शिक्षा का मानवीय पहलू धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है।

यह भी सच है कि बाजार पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। उसने शिक्षा में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाया है। लेकिन जब बाजार का उद्देश्य केवल लाभ कमाना हो जाए,और शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाए,तब समस्या उत्पन्न होती है। संतुलन का अभाव ही सबसे बड़ी चुनौती है।

आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को फिर से उसके मूल उद्देश्य से जोड़ें। स्कूलों को केवल परीक्षा परिणामों का केंद्र न बनाकर, उन्हें विचार, संवाद और सृजन का मंच बनाना होगा। सरकार,शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा सुलभ,समावेशी और मूल्य आधारित बनी रहे।

अभिभावकों को भी इस भ्रम से बाहर निकलना होगा कि अधिक खर्च का अर्थ बेहतर शिक्षा है। बच्चों को यह समझाना होगा कि सीखना एक प्रक्रिया है, न कि कोई उत्पाद जिसे खरीदा जा सके। शिक्षकों को भी अपने भूमिका को पुनः परिभाषित करना होगा—वे केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक हैं।

शिक्षा का कमर्शियलाइजेशन एक कड़वी सच्चाई

आधुनिक स्कूलों में अब केवल पढ़ाई नहीं बिकती,बल्कि सुविधाओं का एक पूरा पैकेज बिकता है। स्कूल अब एक शैक्षणिक संस्थान कम और एक कॉर्पोरेट ऑफिस ज्यादा नजर आते हैं।

एडमिशन का खेल:-भारी-भरकम डोनेशन और डेवलपमेंट फीस के नाम पर अभिभावकों की जेबों पर डाका डाला जा रहा है।

यूनिफॉर्म और किताबों का एकाधिकार:-अधिकांश स्कूलों ने अब अपनी चौखट के भीतर ही दुकानें खोल ली हैं। जूते,मोजे,टाई से लेकर कॉपियों तक,सब कुछ स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से ही लेना अनिवार्य है, जो बाजार भाव से कहीं अधिक महंगी होती हैं।

ईवेंट्स और दिखावा:-एनुअल फंक्शन और स्पोर्ट्स डे अब प्रतिभा निखारने के बजाय स्कूल की भव्यता दिखाने के विज्ञापन बन गए हैं।

भीतर सिमटती शिक्षा

जैसे-जैसे बाजार का प्रभाव बढ़ा है, शिक्षा का मूल स्वरूप संकुचित होता गया है।

1. **ज्ञान बनाम ग्रेड्स:**- आज की शिक्षा का पैमाना बच्चे ने क्या सीखा से बदलकर बच्चे ने कितने प्रतिशत अंक पाए पर टिक गया है। शिक्षा अब चहुंमुखी विकास के बजाय एक रैंक-बनाने वाली मशीन बनकर रह गई है

2. **शिक्षकों की स्थिति:**- एक शिक्षक, जिसका कार्य अध्यापन था, अब वह मार्केटिंग, डेटा एंट्री और फीस कलेक्शन जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझा दिया गया है। जब शिक्षक ही बोझ तले दबा होगा, तो शिक्षा की गुणवत्ता का गिरना स्वाभाविक है।

3. **कोचिंग कल्चर का उदय:**- विडंबना देखिए कि स्कूल की भारी फीस भरने के बाद भी बच्चा कोचिंग जाने को मजबूर है। यह इस बात का प्रमाण है कि स्कूल के भीतर की शिक्षा छात्र की जरूरतों को पूरा करने में अक्षम साबित हो रही है।

इसका समाज पर प्रभाव

यह बाजारीकरण समाज में एक गहरी खाई पैदा कर रहा है। शिक्षा अब अधिकार नहीं, बल्कि एक विलासिता बनती जा रही है।

जब शिक्षा एक उत्पाद बन जाती है, तो छात्र एक ग्राहक बन जाता है। और ग्राहक को संतुष्ट करना तो आसान है,लेकिन एक नागरिक को शिक्षित करना कठिन।

पैसे के दम पर खरीदी गई डिग्रियां डिब्बों में बंद कागज के टुकड़ों जैसी हैं। इनसे कौशल और नैतिकता गायब हैं। यदि शिक्षा का उद्देश्य केवल पैसा कमाना रह गया, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो आर्थिक रूप से समृद्ध तो हो सकती है, लेकिन मानसिक और चारित्रिक रूप से दरिद्र होगी।

अंततः

समय आ गया है कि हम रुककर सोचें। क्या हम अपने बच्चों को केवल एक उपभोक्ता बनाना चाहते हैं या एक सजग इंसान? सरकार,समाज और अभिभावकों को मिलकर इस बाजारीकरण के खिलाफ आवाज उठानी होगी। स्कूल की चौखट से बाजार को बाहर धकेलना जरूरी है ताकि भीतर की शिक्षा को फिर से फैलने और पनपने का अवसर मिल सके। शिक्षा का उद्देश्य करियर बनाना जरूर हो, लेकिन इसका आधार चरित्र होना चाहिए।
यह निर्णय हमें लेना है कि हम अपने स्कूलों को बाजार का विस्तार बनने देंगे या ज्ञान का केंद्र बनाए रखेंगे। यदि शिक्षा भीतर से सिमटती रही और बाजार बाहर से बढ़ता गया, तो हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे जहां डिग्रियाँ तो होंगी,पर ज्ञान का अभाव होगा।
समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को पहचानें और शिक्षा को उसके असली स्वरूप—मानव विकास और सामाजिक उत्थान—की ओर वापस ले जाएँ।

हसदेव केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को वन स्वीकृति देने पर आज होगी अहम बैठक

टीएस सिंह देव ने वन सलाहकार समिति से की परियोजना खारिज करने की मांग,7 लाख पेड़ों की कटाई और रामगढ़ पर खतरे का दावा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
केंद्रीय वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वन सलाहकार समिति की आज 8 मई 2026 को नई दिल्ली में बैठक होने जा रही है। बैठक में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित और अदानी समूह के एमडीओ वाली केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को वन स्वीकृति देने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। इसी बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने फॉरेस्ट एडवायजरी कमेटी के सदस्यों से फोन पर चर्चा कर ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से दस्तावेज भेजते हुए इस परियोजना को खारिज करने की मांग की है।

7 लाख पेड़ों की कटाई का दावा,हसदेव और बांगो जलाशय पर खतरा : टीएस सिंह देव ने कहा कि प्रस्तावित खनन परियोजना के लिए 1,742.155 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग किया जाएगा, जिससे लगभग 7 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई होगी। उनका कहना है कि यह क्षेत्र घने एवं पुराने प्राकृतिक जंगलों का हिस्सा है और यहां खनन होने से हसदेव नदी,बांगो जलाशय और जैव विविधता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार जंगल कटाई और खनन गतिविधियों के कारण भविष्य में पूरा क्षेत्र पर्यावरणीय संकट की ओर बढ़ सकता है।

WII और ICFRE रिपोर्ट का हवाला देकर 'नो-गो एरिया' घोषित करने की मांग

टीएस सिंह देव ने भारतीय वन्यजीव संस्थान,देहरादून की 2021 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि PEKB-I को छोड़कर बाकी सभी नई खदानों के लिए केते एक्सटेंशन क्षेत्र को 'नो-गो एरिया' घोषित करने की सिफारिश की गई थी। इसके साथ ही ICFRE देहरादून की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा गया कि 'चोरनाई वाटरशेड' क्षेत्र में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह हसदेव नदी का महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा इसी वाटरशेड क्षेत्र में आता है।

हाथी कॉरिडोर और लेमरू अभ्यारण्य के बफर जोन का भी मुद्दा उठाया : पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र हाथियों के आवागमन और निवास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है तथा लेमरू हाथी अभ्यारण्य के बफर जोन में स्थित है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से क्षेत्र में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है और यदि नए खनन प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

रामगढ़ की प्राचीन गुफाओं और पहाड़ियों पर खतरे की आशंका

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने वन सलाहकार समिति को भेजे दस्तावेजों में उल्लेख किया है कि खनन गतिविधियों के कारण रामगढ़ पहाड़ियों में दरारें आने लगी हैं। यह क्षेत्र भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारकों में शामिल है। उन्होंने कहा कि परियोजना रिपोर्ट में रामगढ़ पहाड़ियों की दूरी गलत तरीके से 10 किलोमीटर से अधिक बताई गई है,जबकि वास्तविक एरियल दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। उनका दावा है कि दूरी को सबसे दूर वाले हिस्से से मापा गया,जबकि पहाड़ियों के निकटवर्ती हिस्से और प्राचीन गुफाएं खदान क्षेत्र के काफी करीब हैं। टीएस सिंह देव ने चेतावनी दी कि यदि खनन जारी रहा तो रामगढ़ की ऐतिहासिक गुफाएं और मंदिर गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं।

विधानसभा प्रस्ताव और सुप्रीम कोर्ट के एफिडेविट का भी दिया हवाला : टीएस सिंह देव ने वन सलाहकार समिति को यह भी याद दिलाया कि 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में हसदेव अरण्य क्षेत्र में नई कोयला खदानों को रद्द करने के पक्ष में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दायर एक शपथ पत्र का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि वर्तमान में संचालित PEKB माइन में ही लगभग 350 मिलियन टन कोयला भंडार उपलब्ध है, जो अगले करीब 20 वर्षों तक संबंधित बिजली संयंत्रों की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में नई खदान की आवश्यकता नहीं है।

प्रधानमंत्री कार्यालय को भी भेजे गए दस्तावेज

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने बताया कि इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय को भी दस्तावेजों की प्रतियां भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रामगढ़ स्थल, हसदेव अरण्य के जंगलों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए फॉरेस्ट एडवायजरी कमेटी को गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए।

अजिरमा में 25 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन,ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 अंतर्गत ग्राम पंचायत अजिरमा के बंगालीपारा एवं नेपालीपारा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। लगभग 25 लाख रुपए की लागत से होने वाले इन कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। भूमिपूजन के तहत बंगालीपारा में 10 लाख रुपए की लागत से राधा-कृष्ण मंदिर जीर्णोद्धार कार्य, नेपालीपारा में 5 लाख रुपए की लागत से 100 मीटर सीसी रोड निर्माण तथा 10 लाख रुपए की लागत से महर्षि देवाश्रम में बाउंड्रीवॉल एवं शौचालय निर्माण कार्य कराया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा,वहीं सड़क,स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सुविधाओं में भी सुधार आएगा। विशेष रूप से सीसी रोड निर्माण से बरसात के दिनों में आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है ताकि लोगों को बेहतर जीवन सुविधाएं मिल सकें। जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव में जनआवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य लगातार स्वीकृत कराए जा रहे हैं। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में सतेंद्र तिवारी, मुकेश, नरेंद्र मिश्रा,विजेंद्र गुप्ता,सरपंच बबीता मरावी,बंटू, उपसरपंच पूरन रॉय,शंकर हलदार, विजय हलदार,संजीत सरकार,लखन समझदार,सतीश हलदार, अशोक हलदार,सुशांत हालफरी,सौरभ हलदार,सुदीप थलप्रहरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से सजे 43 नए घर-आंगन....

राजमोहनी भवन में सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए मंत्री राजेश अग्रवाल,नवदम्पत्तियों को दिया सुखद जीवन का आशीर्वाद

बेटियों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है साय सरकार : राजेश अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण,सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज अंबिकापुर स्थित राजमोहनी भवन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए और 43 नवविवाहित जोड़ों को सुखद दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों,वैदिक मंत्रोच्चार और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच विवाह की सभी रस्में संपन्न हुईं। मंत्रोच्चार, फेरे,सिंदूरदान और वरमाला की रस्मों के साथ नवदम्पत्तियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। शहनाइयों की गूंज,बैंड-बाजों की मधुर धुन और पुष्प वर्षा के बीच पूरा परिसर उल्लास और आत्मीयता से सराबोर दिखाई दिया। विवाह समारोह में बड़ी संख्या में परिजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति सरकार की संवेदनशील सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक अभाव किसी भी परिवार की खुशियों में बाधा न बने। श्री अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, अनावश्यक खर्चों को कम करने तथा समाज में समानता, सद्भाव और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को संबोधित करते हुए कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं,बल्कि दो परिवारों और संस्कृतियों का पवित्र मिलन होता है। आपसी विश्वास, प्रेम, सम्मान और सहयोग ही सफल वैवाहिक जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।उन्होंने सभी नवदम्पत्तियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर सभी के जीवन को सुख, समृद्धि,स्वास्थ्य और पारिवारिक सौहार्द से परिपूर्ण करे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण,बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है,जिनका लाभ प्रदेश के लाखों परिवारों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत आत्म सम्मान और मजबूती के साथ कर सकें।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 43 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवदंपत्तियों ने लिए सात फेरे,लुण्ड्रा विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आज जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के लमगांव स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 45 नवविवाहित जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर नए वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। विधायक श्री मिंज ने सभी नवदंपतियों को शुभाशीष देते हुए उनके सुखमय एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की गरिमा हैं और शासन बेटियों के सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र एवं उपहार सामग्री प्रदान की गई। योजना अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को 35 हजार रुपए की सहायता राशि भी वितरित की गई। विवाह समारोह में ढोल-नगाड़ों, लोकगीतों एवं फूलों की वर्षा के बीच उत्सवी माहौल बना रहा। वर-वधू एवं उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

वनभूमि पर कार्रवाई : नोटिस के बाद चला बुलडोजर

- डबरीपानी में 20 अवैध मकान ढहाए,वर्षों से कब्जे पर प्रशासन सख्त
- हाईकोर्ट स्टे के बीच बची जमीन पर बढ़ी कार्रवाई,भारी पुलिस बल तैनात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर से लगे ग्राम पंचायत खैरबार के डबरीपानी क्षेत्र में संरक्षित वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ शुक्रवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। वन विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में 20 अवैध मकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने पुलिस बल को तैनात किया गया था। यह कार्रवाई लंबे समय से विवाद और शिकायतों के घेरे में रही वनभूमि पर कब्जे को लेकर की गई। बताया जा रहा है कि डबरीपानी,घुटरापारा और नवागढ़ क्षेत्र में संरक्षित जंगल की जमीन पर बड़ी संख्या में लोगों ने मकान बनाकर कब्जा कर लिया था। वन विभाग की जांच में मामला सही पाए जाने के बाद अतिक्रमणकारियों को बेदखली नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर कार्रवाई की। मामले को लेकर भाजपा नेता और पार्षद आलोक दुबे ने करीब दो माह पहले वन विभाग के अधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया था कि संरक्षित वनभूमि पर पेड़ों की कटाई कर अवैध कब्जा किया गया है और वहां स्थायी मकान बना लिए गए हैं। शिकायत के बाद वन विभाग ने जांच कराई, जिसमें अतिक्रमण की पुष्टि हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर वन विभाग ने 12 मार्च और 17 मार्च को अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर 10 दिन के भीतर जमीन खाली करने के निर्देश दिए थे। हालांकि निर्धारित समय के बाद भी कब्जा जस का तस बना रहा। इसके बाद भी लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठने लगे थे।

सीएम को पत्र लिखकर उठाया मुद्दा : कार्रवाई में देरी को लेकर भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने 29 अप्रैल को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पूरे मामले की जानकारी दी थी। पत्र में उन्होंने आरोप लगाया था कि अंतिम बेदखली नोटिस जारी होने के बाद भी वन विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस पहल नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन और पुलिस से बल नहीं मांगा गया,जिसके कारण कार्रवाई लंबित रही। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया था कि देरी का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने हाईकोर्ट से स्टे हासिल कर लिया। बताया गया कि डबरीपानी और नवागढ़ क्षेत्र के कुछ लोगों ने न्यायालय से राहत प्राप्त की,जिससे आगे की कार्रवाई प्रभावित हुई। इसके बावजूद जिन मकानों पर कानूनी अड़चन नहीं थी,वहां प्रशासन ने कार्रवाई आगे बढ़ाई।

सुबह से शुरू हुई कार्रवाई

शुक्रवार सुबह प्रशासनिक टीम,वन विभाग और पुलिस बल डबरीपानी पहुंचा। कार्रवाई शुरू होने से पहले लोगों को घरों से जरूरी सामान निकालने का समय दिया गया। इसके बाद चार बुलडोजरों की मदद से अवैध निर्माणों को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार संरक्षित वनभूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में अब भी अवैध कब्जे हैं, वहां भी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी चल चुका है अभियान

महामाया पहाड़ से लगे क्षेत्रों में वनभूमि पर कब्जे का मामला नया नहीं है। इससे पहले भी प्रशासन द्वारा करीब 40 अवैध मकानों को हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है। वन विभाग का कहना है कि लगातार जंगल क्षेत्र में अतिक्रमण बढ़ने से हरियाली और पर्यावरण पर असर पड़ रहा है। यही वजह है कि संरक्षित भूमि को खाली कराने अभियान चलाया जा रहा है।

प्रशासन बोला...जंगल बचाना जरूरी

अधिकारियों का कहना है कि संरक्षित वनभूमि पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लगातार हो रहे अतिक्रमण से जंगल क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना जरूरी है। प्रशासन ने साफ किया है कि आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्रह्माकुमारी केंद्र में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव और ऑनलाइन सुरक्षा की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अंबिकापुर केंद्र में गुरुवार को साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन सत्र के अंतर्गत बच्चों के मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्र संचालिका विद्या दीदी के मार्गदर्शन में साइबर सेल सरगुजा के साइबर विशेषज्ञ अनुज जायसवाल ने बच्चों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

साइबर हमलों और वित्तीय धोखाधड़ी से बचने बताए उपाय : साइबर विशेषज्ञ अनुज जायसवाल ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को फिशिंग लिंक, फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, ऑनलाइन गेमिंग एप्लिकेशन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने, निजी जानकारी साझा करने या संदिग्ध एप डाउनलोड करने से बचना चाहिए। साथ ही मजबूत पासवर्ड और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के उपयोग की भी जानकारी दी गई।

प्रश्न-उत्तर सत्र में छात्रों ने पूछे सवाल : कार्यक्रम के अंत में प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें करीब 100 छात्र-छात्राओं ने साइबर अपराधों की प्रकृति, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल फ्रॉड से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। साइबर विशेषज्ञ ने सभी प्रश्नों का सरल और व्यावहारिक तरीके से जवाब दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और डिजिटल जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

पिकअप की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।
त्रिकुंडा थाना क्षेत्र के करमडीहा के पास 7 मई को पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जबकि उसकी बड़ी बहन को मामूली चोट आई थी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम मेंढारी थाना बसंतपुर निवासी रामबरन पिता पंचम राम उम्र 22 वर्ष 7 मई को मोहली त्रिकुंडा बाजार गया था। वहां से अपनी बड़ी बहन के साथ घर वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में ग्राम करमडीहा के पास पिकअप क्रमांक यूपी 64 बीटी 1992 टक्कर मार दी। हादसे में रामबहरन गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जबकि उसकी बहन को मामूली चोट हाई थी। रामबरन को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

CMYK

48 घंटे में पलटा आदेश, आखिर क्यों बदल दी गई कोरिया कलेक्टर की नियुक्ति?

पुष्पा साहू की जगह अब रोक्तिमा यादव संभालेंगी कमान

जिले में चर्चा-'क्या जाते-जाते सेटिंग कर गईं पूर्व कलेक्टर?'

-रवि सिंह-

कोरिया 08 मई 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों कोरिया जिला सबसे अधिक चर्चा में है, वजह है एक ऐसा आदेश,जिसने महज 48 घंटे के भीतर नया मोड़ ले लिया,पहले जारी आदेश में आईएएस अधिकारी पुष्पा साहू को कोरिया जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया था, लेकिन दो दिन भी पूरे नहीं हुए कि शासन ने संशोधित आदेश जारी कर उनकी जगह रोक्तिमा यादव को जिले की नई कलेक्टर नियुक्त कर दिया,यह बदलाव सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से कहीं अधिक राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक चर्चाओं का विषय बन गया है, जिले से लेकर राजधानी तक सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि सरकार को 48 घंटे के भीतर अपने ही आदेश में संशोधन करना पड़ा?

सोशल मीडिया में पहले बधाई,फिर मायूसी

जैसे ही पुष्पा साहू के कोरिया कलेक्टर बनने का आदेश सामने आया,समाज विशेष में उत्साह की लहर दौड़ गई थी,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बधाइयों की बाढ़ सी आ गई,कई लोगों ने इसे अपने समाज के सम्मान और प्रतिनिधित्व से जोड़ते हुए पोस्ट साझा किए, फेसबुक,व्हाट्सएप और अन्य माध्यमों में 'हमारी बेटी','हमारे समाज का गौरव' जैसे संदेश तेजी से वायरल हुए,लेकिन शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह खुशी केवल 48 घंटे की मेहमान साबित होगी, अब संशोधित आदेश आने के बाद वही सोशल मीडिया मायूसी से भरा नजर आ रहा है, कुछ लोग खुलकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं तो कुछ इसे प्रशासनिक राजनीति का हिस्सा बता रहे हैं।

आखिर क्यों बदला गया आदेश?

सरकार की ओर से आदेश परिवर्तन को लेकर कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है,लेकिन प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो इसके पीछे व्यक्तिगत कारण प्रमुख बताए जा रहे हैं, चर्चा यह है कि पुष्पा साहू अपने बच्चे की 12वीं बोर्ड परीक्षा के कारण फिलहाल जिला प्रभार नहीं लेना चाहती थीं,बताया जा रहा है कि परीक्षा के इस महत्वपूर्ण समय में परिवार को छोड़कर नए जिले में जाना उनके लिए सहज नहीं था,हालांकि यह केवल सूत्रों के हवाले से चल रही चर्चा है, शासन की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि ऐसा था तो फिर प्रारंभिक आदेश जारी होने से पहले इस पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया?

क्या छोटा जिला होने से बच रहे अधिकारी?

कोरिया जिले को लेकर एक और चर्चा प्रशासनिक गलियारों में लंबे समय से चलती रही है, कई लोग मानते हैं कि छोटा जिला होने के कारण बड़े अधिकारी यहां पदस्थापना को लेकर बहुत अधिक उत्साहित नहीं रहते, सीमित संसाधन, कम प्रशासनिक विस्तार और राजनीतिक समीकरणों के कारण कई अधिकारियों की प्राथमिकता सूची में यह जिला पीछे माना जाता है, यही वजह है कि जिले में अक्सर अल्पकालिक प्रशासनिक नियुक्तियां देखने को मिलती रही हैं, जिले के जानकार बताते हैं कि यहां प्रशासन चलाने से अधिक स्थानीय समीकरणों को संभालना चुनौतीपूर्ण माना जाता है, ऐसे में अधिकारी भी यहां लंबी पारी खेलने के मूड में कम दिखाई देते हैं।

रोक्तिमा यादव की एंट्री से बढ़ी हलचल

अब जब रोक्तिमा यादव को जिले की नई कलेक्टर बनाया गया है तो प्रशासनिक हलकों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं,समाज कल्याण विभाग में निदेशक पद पर कार्यरत रोक्तिमा यादव को तेज-तर्रार और सख्त प्रशासनिक अधिकारी माना जाता है, प्रशासनिक कार्यशैली में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है, सूत्रों का दावा है कि वह हालिया समय में जिले में पदस्थ रही कलेक्टर के बैच की अधिकारी हैं और दोनों के बीच बेहतर प्रशासनिक तालमेल भी माना जाता है, यही कारण है कि अब जिले में यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या जाते-जाते पूर्व कलेक्टर ने अपनी पसंद की अधिकारी की नियुक्ति करवा ली? हालांकि यह केवल चर्चाओं का हिस्सा है, लेकिन जिला मुख्यालय से लेकर चाय की दुकानों तक यही चर्चा गर्म है।

चुगली ब्रिगेड फिर सक्रिय होने की चर्चा

कोरिया जिले की राजनीति और प्रशासन में एक शब्द अक्सर सुनाई देता है – 'चुगली ब्रिगेड '। यह उन लोगों के लिए व्यंग्यात्मक रूप से इस्तेमाल किया जाता है जो अधिकारियों के आसपास रहकर सूचनाएं पहुंचाने, माहौल बनाने और समीकरण प्रभावित करने का काम करते हैं, नई नियुक्ति के बाद जिले में यह चर्चा फिर तेज हो गई है कि क्या अब वही पुराना तंत्र दोबारा सक्रिय होगा? क्या फिर अधिकारियों के आसपास वही चेहरे दिखाई देंगे जो हर प्रशासनिक फैसले में अपनी भूमिका तलाशते हैं? जिले के कुछ लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि कोरिया जिले में प्रशासन से ज्यादा 'सूचना तंत्र' चलता है, जहां कौन किसके करीब है, यही सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है।

दो दिन पहले मिली थी जिस्मेदारी

पुष्पा साहू को 2 दिन पहले ही कोरिया जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया था।

अब नई कलेक्टर

रोक्तिमा यादव होंगी कोरिया कलेक्टर

प्रशासनिक कारणों से उनका तबादला कर दिया गया है। नया पदस्थाप्पन आदेश जारी कर दिया गया है।

महिला नेतृत्व बरकरार,लेकिन सवाल कायम

एक बात जरूर है कि शासन ने कोरिया जिले में महिला नेतृत्व को बरकरार रखा है, पहले पुष्पा साहू और अब रोक्तिमा यादव,दोनों महिला अधिकारी हैं, इससे यह संदेश जरूर गया है कि सरकार जिले में महिला प्रशासनिक नेतृत्व पर भरोसा जता रही है,लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी कायम है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक आदेश को 48 घंटे के भीतर बदलना पड़ा? क्या यह केवल व्यक्तिगत कारण था? क्या प्रशासनिक दबाव काम आया? क्या राजनीतिक समीकरण बदले? या फिर यह केवल संयोग है? इन सवालों के जवाब भले अभी न मिले हों,लेकिन इतना तय है कि कोरिया जिले की राजनीति और प्रशासन में यह घटनाक्रम लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहेगा।

अब सबकी नजर नई कलेक्टर पर...

फिलहाल जिले की जनता की नजर अब नई कलेक्टर रोक्तिमा यादव पर टिक गई है, लोग यह जानना चाहते हैं कि उनकी कार्यशैली कैसी होगी, प्रशासनिक प्राथमिकताएं क्या होंगी और जिले में चल रहे कई विवादित मामलों पर उनका रुख कैसा रहेगा,खनिज,जल संसाधन, स्वास्थ्य,शिक्षा और स्थानीय राजनीति जैसे कई मुद्दे पहले से जिले में चर्चा में हैं। ऐसे में नई कलेक्टर के सामने प्रशासनिक चुनौतियां भी कम नहीं होंगी,अब देखना यह होगा कि रोक्तिमा यादव जिले में अपनी अलग कार्यशैली स्थापित कर पाती हैं या फिर कोरिया की पुरानी प्रशासनिक राजनीति उन्हें भी अपने रंग में रंग देती है।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न...

एआई आधारित होगा आने वाला समय,आईटी हब होगा विश्वविद्यालय : कुलपति

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हुआ। विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों,शोधार्थियों और तकनीकी क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य

की सबसे प्रभावशाली तकनीकों में से एक है और आने वाला समय पूरी तरह एआई आधारित होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में अधिकांश कक्षाओं की शिक्षण व्यवस्था एआई ड्रिवन हो सकती है तथा विश्वविद्यालय केवल शिक्षा केंद्र न रहकर आईटी हब के रूप में विकसित होंगे। कुलपति ने विद्यार्थियों से नई तकनीकों को सीखने, डिजिटल कौशल विकसित करने तथा शोध और नवाचार के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एआई केवल तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन चुकी है और तकनीकी रूप से सक्षम युवा ही आगे सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. आलोक कुमार कुशवाहा ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और आधुनिक तकनीकी विकास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एआई शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि और व्यवसाय सहित कई क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रहा है। वहीं दूसरे विशेषज्ञ डॉ. मोहन राव मामडीकर ने 'फ्रॉड डिटेक्शन बाय मशीन लर्निंग' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फ्रॉड और साइबर ठगी रोकने में मशीन लर्निंग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एआई आधारित तकनीकों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर धोखाधड़ी को रोका जा सकता है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से तकनीकी विषयों पर चर्चा कर नई जानकारियां प्राप्त कीं। समापन अवसर पर कुलपति ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और विशेषज्ञों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुलसचिव ने विद्यार्थियों से अध्ययन और शोध कार्यों में एआई के उपयोग को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालय में एआई आधारित सर्टिफिकेशन कोर्स शुरू करने की आवश्यकता भी बताई।

हादसे में घायल ट्राला चालक की मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)। दो दिन पूर्व अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर दो ट्रेलर की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल चालक की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार उपेन्द्र कुमार पिता विजय उम्र 32 वर्ष गाजीपुर यूपी का रहने वाला था। वह पिछले दो वर्ष से रतपनुर निवासी नबीदात खान का ट्राला क्रमांक सीजी 12 बीएल 6250 चलाता था। वह 5 मई की रात को बिलासपुर महान खदान-3 प्रतापपुर जा रहा था। रास्ते में अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर स्थित जोगीबांध के पास पूर्व से सड़क किनारे खड़े ट्राला क्रमांक सीजी 15 ईसी 5740 से टक्कर हो गया। टक्कर इतना जबरदस्त था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उपेन्द्र अपने वाहन में फंस गया। सूचना पर पहुंची मणिपुर पुलिस ने केन से स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकलवाया और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान 7 मई की शाम को उसकी मौत हो गई।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजीव कुमार गुप्ता आ0 / पति स्व0 कत्यानी प्रसाद गुप्ता जाति, निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 809/3 रकबा 126 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 28/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया शनि मंदिर तालाब एवं छठ घाट निर्माण का भूमिपूजन

34 रुपए लाख की लागत से होगा धार्मिक स्थल का कायाकल्प

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 में शनि मंदिर तालाब के सौंदर्यीकरण एवं छठ घाट निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और जनसुविधाओं को नई दिशा देने वाला साबित होगा। लगभग 34 लाख रुपये की लागत से किए जाने वाले इस कार्य के अंतर्गत शनि मंदिर तालाब का सौंदर्यीकरण, परिसर का व्यवस्थित विकास तथा श्रद्धालुओं के लिए सुविधायुक्त छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। इससे न केवल धार्मिक आयोजनों एवं पर्वों के दौरान लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि क्षेत्र की स्वच्छता, सौंदर्य एवं सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार जनआस्था

से जुड़े स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, शिक्षा,स्वास्थ्य और धार्मिक-सांस्कृतिक अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने, संस्कृति को जीवित रखने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का माध्यम भी होते हैं। शनि मंदिर तालाब एवं छठ घाट के विकसित होने से क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर छठ पर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण प्राप्त होगा।

हसदेव में प्रतिपूरक वनीकरण का भी विरोध

भानूप्रताप सिंह बोले...खदान के साथ अब जंगल-जमीन भी छीनी जा रही

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)। हसदेव अरण्य क्षेत्र के केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को लेकर विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। शुक्रवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग भानूप्रताप सिंह ने परियोजना के लिए प्रस्तावित प्रतिपूरक वनीकरण भूमि पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने केंद्रीय वन सलाहकार समिति (एफएसी) को पत्र भेजकर परियोजना को वन स्वीकृति नहीं देने की मांग की है। भानूप्रताप सिंह ने कहा कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित केते

एक्सटेंशन कोल ब्लॉक के लिए 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि डायवर्सन का प्रस्ताव 8 मई को एफएसी की बैठक में रखा गया है। इसके बदले प्रतिपूरक वनीकरण के लिए बलरामपुर, सरगुजा और मनेंद्रगढ़ जिलों में 3363.946 हेक्टेयर वन भूमि चिन्हित की गई है।

आदिवासियों के निस्तार और खेती की जमीन होने का दावा : उन्होंने कहा कि जिन जमीनों को प्रतिपूरक वनीकरण के लिए चिन्हित किया गया है, वे आदिवासियों के पारंपरिक निस्तार, लघु वनोपज संग्रहण और खेती से जुड़ी भूमि हैं। वन अधिकार मान्यता कानून 2006 के तहत ग्रामीणों के व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार दावे अब तक लंबित हैं। भानूप्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि पूर्व में पीईकेबी और परसा कोल ब्लॉक के प्रतिपूरक वनीकरण के लिए भी इन्हीं जिलों की वन भूमि आवंटित की गई थी। इसके बाद से पीढ़ियों से काबिज आदिवासियों और अन्य परंपरागत वन निवासियों को वन विभाग की ओर से बेदखली नोटिस दिए जा रहे हैं।

'दोहरी मार झेल रहे आदिवासी ': उन्होंने कहा कि एक तरफ खदानों के लिए लाखों पेड़ काटे जा रहे हैं और आदिवासियों को उजाड़ा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रतिपूरक वनीकरण के नाम पर उनकी बची हुई जंगल-जमीन भी छीनी जा रही है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शिव नाथ आ0 रामवृक्ष ग्राम लोधिमा पोस्ट बसदेई चौकी बसदेई थाना व तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) का निवासी हूं। यह कि मेरा पुराना नाम शिव नाथ (SHEO NATH) है और मैं अपना नाम बदलकर शिवनाथ (SHIVNATH) करवाना चाहता हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

मैं नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा । जिसके संबंध में स्वयं का सपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकता
शिव नाथ
निवासी ग्राम लोधिमा पोस्ट बसदेई
तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै मागेश्वरी पैंकरा (पुराना नाम , जिसे बदलना जाना है) पत्नी कमलेश्वर सिंह पैंकरा गांव/शहर नावापारा कला तहसील दरिमा जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ ने अपना नाम मागेश्वरी पैंकरा (पुराना नाम) से बदल कर मंगेश्वरी पैंकरा (नया नाम) रख लिया है।

अतः आज से सभी शासकीय अर्धशासकीय एवं अन्य में मेरा नया नाम मंगेश्वरी पैंकरा पढ़ा एवं लिखा जावे

शपथकता
मंगेश्वरी पैंकरा
निवासी नावापारा कला
तहसील दरिमा
जिला सरगुजा,छत्तीसगढ़

भीषण गर्मी में राहत : भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने जिला न्यायालय परिसर के बाहर शुरू किया सार्वजनिक प्याऊ

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के जिलाध्यक्ष श्री भारत सिंह सिसोदिया जी के मार्गदर्शन एवं भाजपा विधि प्रकोष्ठ सरगुजा के जिला संयोजक श्री जन्मेजय पांडेय के नेतृत्व में आमजन, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह शुभारंभ 8 मई 2026 को दोपहर 3 बजे जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर के मुख्य द्वार के समीप किया गया। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं न्यायालय आने वाले लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भारत सिंह सिसोदिया जी, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत जी, श्रीमती अरुणा सिंह जी, श्री विनोद हर्ष जी, श्री निश्चल प्रताप सिंह, श्री धनंजय मिश्रा, श्री संजीव सेठ सोनी, श्री अरविंद कनौजिया एवं श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी सहित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि भीषण गर्मी के समय आमजन की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ यह पहल की गई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 06.05.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1,2 जशपुर, स.क्र. 3,4 पत्थलगांव एवं स.क्र. 5 अम्बिकापुर संभाग
03. स.क्र. 01 एवं 05 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 28.05.2026

स0 क्रं0	एन.आई.टी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	06	जिला जशपुर के मुख्य मार्ग सिंगीबहार से रघराटोली पहुंच मार्ग लंबाई 1.12 कि.मी. का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	154.93
2	07	जिला जशपुर के घूमरा मार्ग से जामबहार पहुंच मार्ग 1.12 कि.मी. निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	119.64
3	08	जिला जशपुर के ग्राम पंचायत तिलडेगा मुख्य मार्ग से भदरापारा होते हुए कटंगतराई पहुंच मार्ग लंबाई 2.30 कि.मी. का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	191.32
4	09	जिला जशपुर के मुख्य मार्ग गाला, गोपीपारा से झक्कड़पुर से तिलाईखार तक मार्ग लम्बाई 1.70 कि.मी. का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	179.68
5	10	केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में अतिरिक्त बैरक्स का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)	117.20

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

जी नंबर-262700573/4

CMYK

मनेन्द्रगढ़ में नलों से टपक रहा 'मटमैला जहर'

क्या बीमारी की दहलीज पर खड़ा है शहर?

दूषित पानी से जनता बेहाल,अस्पतालों में बढ़े मरीज,कांग्रेस ने खोला मोर्चा

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,08 मई 2026 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ में इन दिनों नगर पालिका की लापरवाही आम जनता की सेहत पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है, भीषण गर्मी के बीच शहर के कई वार्डों में नलों से स्वच्छ पेयजल के बजाय मटमैला,दुर्गंधयुक्त और रेत मिश्रित पानी सप्लाई किया जा रहा है,स्थिति ऐसी बन गई है कि लोगों के घरों तक पहुंच रहा पानी अब जीवन नहीं बल्कि बीमारी का कारण बनता नजर आ रहा है।

शहर के वार्डों में लगातार कई दिनों से गंदे पानी की आपूर्ति होने के कारण जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है,स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी से इतनी तेज बदबू आ रही है कि उसे न पीने योग्य माना जा सकता है और न ही घरेलू उपयोग के लायक, कई घरों में पानी के साथ रेत, मिट्टी और कीड़े आने की शिकायतें सामने आई हैं,लोगों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन शिकायतों के बावजूद लंबे समय से केवल आश्वासन देता रहा, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं किया गया, मनेन्द्रगढ़ की जनता इस समय बूंद-बूंद स्वच्छ पानी के लिए संघर्ष कर रही है, नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही ने शहर को संभावित स्वास्थ्य संकट के सामने खड़ा कर दिया है। यदि समय रहते जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है, अब देखना यह होगा कि प्रशासन केवल आश्वासन देता है या फिर वास्तव में शहरवासियों को मटमैले जहर से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाता है।

सियासत भी गरमाई, कांग्रेस ने भाजपा शासित नगर पालिका को घेरा

दूषित जल आपूर्ति का मामला अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने नगर पालिका प्रशासन और भाजपा नेताओं पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने कहा कि नगर पालिका जनता को साफ पानी नहीं बल्कि बीमारी बांट रही है। जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि एयर कंडीशन कमरों में बैठकर मिनरल वाटर पी रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को नाले जैसा पानी पीने के लिए मजबूर किया जा रहा है, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शहर की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और प्रशासन पूरी तरह संवेदनहीन बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ,स्वास्थ्य शिविर नहीं लगाए गए और जल आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई,तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

प्रशासन से उठ रहे बड़े सवाल, अब शहर में कई गंभीर सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं...

- क्या नगर पालिका प्रशासन किसी बड़ी महामारी का इंतजार कर रहा है?
- जल गुणवत्ता की जांच करने वाले जिम्मेदार अधिकारी आखिर क्या कर रहे हैं?
- फिल्टर प्लांट की नियमित मॉनिटरिंग क्यों नहीं हो रही?
- चिरमिरी जैसी घटनाओं से सबक लेने के बाद भी पाइपलाइन सुधार कार्य अधूरा क्यों है?
- क्या जनता की जिंदगी प्रशासनिक लापरवाही की कीमत चुका रही है?

जब फूटा जनता का गुस्सा...बोतलों में भरकर ले गए गंदा पानी...

लगातार बिगड़ती स्थिति के बाद आखिरकार वार्डवासियों का सब्र टूट गया,नाराज लोग बोतलों और डिब्बों में गंदा पानी भरकर सीधे जल प्रदाय कार्यालय पहुंच गए,वहां लोगों ने अधिकारियों के सामने दूषित पानी दिखाकर जमकर नाराजगी जताई, सूचना मिलते ही नगर पालिका उपाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और तत्काल जल सप्लाई बंद करवाने के निर्देश दिए,कर्मचारियों को फटकार भी लगाई गई,लेकिन इससे बड़ा सवाल खड़ा हो गया कि आखिर फिल्टर प्लांट से बिना पर्याप्त शुद्धिकरण के यह पानी शहर की पाइपलाइन तक कैसे पहुंच रहा था? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जल शुद्धिकरण व्यवस्था केवल कागजों में संचालित हो रही है, जबकि वास्तविकता में न तो नियमित जांच हो रही है और न ही पाइपलाइन की सही तरीके से मरम्मत।

पाइपलाइन लीकेज बना बड़ा कारण?

जानकारों का मानना है कि शहर की पुरानी और जर्जर पाइपलाइन दूषित पानी की सबसे बड़ी वजह हो सकती है,कई स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज की शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं,आशंका जताई जा रही है कि सीवर और नालियों का गंदा पानी लीकेज के जरिए पेयजल लाइन में मिल रहा है,स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पाइपलाइन सुधार के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती रही, परिणामस्वरूप अब पूरा शहर स्वास्थ्य संकट के मुहाने पर खड़ा दिखाई दे रहा है।

अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

दूषित पानी का असर अब अस्पतालों में भी दिखाई देने लगा है, स्थानीय अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में पेट दर्द,उल्टी-दस्त, डायरिया और त्वचा रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है, डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि पानी को उबालकर और छानकर ही उपयोग करें,चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में दूषित पानी तेजी से संक्रमण फैलाता है और यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो पीलिया और जलजनित बीमारियों का खतरा गंभीर रूप ले सकता है।

जनता की मांग युद्ध स्तर पर हो कार्रवाई

शहरवासियों ने मांग की है कि दूषित जल आपूर्ति वाले क्षेत्रों में तत्काल साफ पानी के टैंकर भेजे जाएं,साथ ही पूरे शहर की पाइपलाइन की जांच कर लीकेज दुरुस्त किए जाएं,लोगों का कहना है कि केवल बयानबाजी और निरीक्षण से समस्या का समाधान नहीं होगा,जरूरत इस बात की है कि फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

नल खोलते ही निकल रहा गंदा पानी,बच्चों की सेहत खतरे में

शहर के रहवासियों का कहना है कि सुबह-शाम जब पानी सप्लाई होता है तो नलों से साफ पानी के बजाय पीले और मटमैले रंग का पानी निकलता है,कई मोहल्लों में महिलाओं ने बताया कि पानी को कुछ देर रखने पर बर्तन के नीचे गाद और रेत जम जाती है, लोगों का कहना है कि छोटे बच्चे,बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं,भीषण गर्मी में स्वच्छ पानी की कमी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है,कई परिवार अब बाजार से पानी खरीदने को मजबूर हैं,जबकि गरीब तबके के लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की ही खड़ी हो गई है।

ढाई हजार शिक्षकों की संवेदना से नम हुई दिवंगत शिक्षक परिवार की आंखें

संयुक्त संवेदना समिति ने दिवंगत शिक्षक की पत्नी को सौंपी एक लाख रुपये की सहायता राशि

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 मई 2026 (घटती-घटना)।

मानवता,सहयोग और शिक्षक एकजुटता की मिसाल बन चुकी संयुक्त संवेदना समिति सूरजपुर ने एक बार फिर अपने संवेदनशील दायित्व का परिचय देते हुए दिवंगत शिक्षक परिवार के प्रति सहानुभूति और सहयोग की मिसाल पेश की, शासकीय प्राथमिक शाला हरिजनपारा तेलाईमुडा,विकासखंड रामानुजनगर में पदस्थ सहायक शिक्षक हरमेन राकेश मिंज के आकस्मिक निधन के बाद समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक साथी उनके निवास केशवपुर विश्रामपुर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की,इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की, वातावरण पूरी तरह भावुक हो उठा जब संयुक्त संवेदना समिति की ओर से दिवंगत शिक्षक की धर्मपत्नी श्रीमती सलोमी लकड़ा को एक लाख रुपये की संवेदना सहायता राशि प्रदान की गई।

भावुक हुआ परिवार,नम हुई शिक्षकों की आंखें

जिलेभर के शिक्षकों द्वारा अपने साथी शिक्षक के परिवार के प्रति दिखाई गई आत्मीयता,सहयोग और संवेदना को देखकर पूरा परिवार भावुक हो उठा,सहायता राशि सौंपने पहुंचे कई शिक्षक साथी भी अपनी भावनाओं को रोक नहीं सके,उपस्थित लोगों ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि शिक्षक परिवार की एकजुटता, आत्मीयता और मानवीय संवेदना का प्रतीक है।

बड़ी संख्या में शिक्षक रहे उपस्थित

इस अवसर पर समिति की सदस्य ममता मंडल, इंदुमती सोनवानी,सोमा घोष,सुमित्रा गुप्ता,ललमेन टोप्पो,ग्लोरिया कुजूर,रंजीता सांडिल्य,विद्यावती सिंह,उषा बेला खाखा,श्यामपति,भावना कुर्म सहित कार्यकारी जिलाध्यक्ष गिरवर यादव,राकेश शुक्ला,भुवनेश्वर सिंह,मनोज कुशवाहा,आशीष यादव,कार्तिक दुबे,आशीष त्रिपाठी,सतीष साहू,प्रमोद साहू,खेलसाय पोर्ट,अनिल साहू,नेल्सन बेक एवं बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

वर्ष 2021 में शुरू हुई थी संवेदना योजना

समिति के ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी एवं राधेश्याम साहू ने बताया कि वर्ष 2018 में शिक्षाकर्मियों के शिक्षक पद पर संविलयन के बाद कई शिक्षकों पर पारिवारिक और आर्थिक जिम्मेदारियां बढ़ी हैं,ऐसी स्थिति में किसी शिक्षक की असामयिक मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक और मानसिक संकट का सामना करना पड़ता है,इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त शिक्षक संघ सूरजपुर के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी की पहल पर वर्ष 2021 में संयुक्त संवेदना योजना प्रारंभ की गई थी।

मात्र 500 रुपये में जुड़ते हैं शिक्षक

समिति ने बताया कि इस योजना में शिक्षक मात्र 500 रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क देकर सदस्य बनते हैं, समिति से जुड़े किसी सदस्य शिक्षक के निधन की स्थिति में उसके परिवार को एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, साथ ही लंबित सेवा लाभों के निराकरण और आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने में भी सहयोग किया जाता है।

अब तक 29 परिवारों को मिली सहायता

संयुक्त संवेदना समिति ने वर्ष 2021 से अब तक 29 दिवंगत शिक्षक परिवारों को सहायता राशि प्रदान की है,वर्तमान समय में जिले के 2500 से अधिक शिक्षक इस पुनीत अभियान से जुड़े हुए हैं,समिति द्वारा वर्ष 2026 के लिए सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है और जिले के सभी शिक्षकों से इस मानवीय पहल में सहभागी बनने की अपील की गई है।

जनसमस्याओं पर कांग्रेस का बड़ा आंदोलन

सड़क नहीं,पानी नहीं फिर किस बात का विकास?

चिरमिरी में कांग्रेस का धरना...आमसभा और चक्काजाम जाम...मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और महापौर पर जमकर हमला

जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधि केवल घोषणाओं और प्रचार में व्यस्त हैं,जबकि शहर की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है,उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है,पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है और स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं,लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को जनता की परेशानी दिखाई नहीं दे रही,उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस अब जनता की आवाज बनकर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी और यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

भाजपा नेताओं को जनता की परेशानी नहीं दिखती

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी के अध्यक्ष शिवांश जैन ने मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और महापौर रामनरेश राय को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग चिरमिरी को केवल राजनीति का माध्यम समझ रहे हैं,उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की सड़कें बदहाल हैं, पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है,लेकिन मंत्री और महापौर जनता की समस्याओं पर मौन साधे हुए हैं,व्यंग्यात्मक अंदाज में उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का ध्यान जनता की समस्याओं से ज्यादा फोटो खिंचवाने और राजनीतिक प्रचार में लगा हुआ है।

विकास पूरी तरह ठप्प

पूर्व विधायक विनय जायसवाल ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान शासनकाल में चिरमिरी का विकास पूरी तरह ठप हो गया है,उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपने पद का उपयोग जनहित के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध के लिए कर रहे हैं,उन्होंने कहा कि नगर निगम की स्थिति बदहाल हो चुकी है और महापौर रामनरेश राय नगर निगम संचालन में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं,उन्होंने कहा कि शहर में न सड़क है, न पानी,न सफाई की समुचित व्यवस्था,लेकिन भाजपा नेता विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं।

-संवाददाता-
चिरमिरी,08 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहर की जर्जर सड़कों,लगातार गहराते पेयजल संकट, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों,विकास कार्यों में रुकावट और बढ़ती जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन, आमसभा और चक्का जाम आंदोलन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता,महिला कांग्रेस पदाधिकारी और आम नागरिक शामिल हुए,आंदोलन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और महापौर रामनरेश राय पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चिरमिरी को सुनियोजित तरीके से विकास से वंचित किया जा रहा है।

चिरमिरी में कांग्रेस का यह आंदोलन केवल विरोध प्रदर्शन नहीं बल्कि जनता की नाराजगी को राजनीतिक स्वर देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन इन आरोपों और जनसमस्याओं को गंभीरता से लेकर ठोस समाधान करेंगे,या फिर शहर की जनता इसी तरह बदहाल सड़कों,पानी संकट और अधूरे विकास के बीच संघर्ष करती रहेगी।

बदहाली बन गई पहचान

उप नेता प्रतिपक्ष एम डी इकराम ने कहा कि भाजपा शासन में चिरमिरी की पहचान विकास नहीं बल्कि बदहाली और उपेक्षा बनकर रह गई है,उन्होंने कहा कि जनता ने बदलाव के नाम पर भाजपा को अवसर दिया था,लेकिन अब लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

महिलाएं पानी के लिए रोज संघर्ष कर रहीं...

नेता प्रतिपक्ष गायत्री बिरहा ने कहा कि महिलाओं को रोज पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है,कई मोहल्लों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं,लेकिन नगर निगम और भाजपा सरकार को जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है,उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं और आम नागरिकों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।

नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा

पार्षद राहुल पटेल ने आरोप लगाया कि नगर निगम पूरी तरह भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है और विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित हैं, वहीं पार्षद शहाबुद्दीन ने कहा कि भाजपा नेताओं की निष्क्रियता के कारण शहर की मूलभूत सुविधाएं चरमरा चुकी हैं,पार्षद सनी चौथा ने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज को दबने नहीं देगी और आने वाले समय में इससे भी बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा।

बड़ी संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

कार्यक्रम में उमाशंकर अलगमकर, सुभाष देवनाथ, राजकुमार दुबे,प्रताप चौहान,रज्जाक खान,क्रांति चौहान,शारदा सिंह,शहीद महमूद,रेशम त्रिपाठी,उदय सिंह,रवि बिरहा,गणेश वर्मा,खुशी हजारा, मैकेन अली, प्रिंस शाही सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस पदाधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने की कोशिश

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इस आंदोलन के जरिए भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सीधे जनता के बीच घेरने की रणनीति पर काम कर रही है, चिरमिरी में लगातार उठ रही सड़क,पानी और बिजली जैसी समस्याओं को कांग्रेस ने बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है,आने वाले समय में यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो यह मुद्दा और ज्यादा राजनीतिक रूप ले सकता है।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें, आंदोलन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन और सरकार के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं

- चिरमिरी की सभी मुख्य सड़कों का तत्काल पक्कीकरण किया जाए...
- पेयजल संकट का स्थायी समाधान निकाला जाए...
- एसईसीएल द्वारा विकास कार्यों पर लगी रोक हटाई जाए...
- बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू किया जाए...
- शहर को उसका विकास और अधिकार दिलाया जाए...

एमसीबी का शिक्षा विभाग सवालों के घेरे में, नियम ताक पर,प्रभार बांटने में दिखी तेजी!

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने तत्कालीन प्रशासनिक व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल, शिक्षा विभाग में नियम विरुद्ध प्रभारों का लगाया आरोप

-संवाददाता-
एमसीबी,08 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले की शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और तत्कालीन प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जिले में नियम-कायदों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से प्रभार बांटे गए और शिक्षा व्यवस्था को प्रयोगशाला बनाकर चलाया गया, उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के कार्यकाल में जिले को जैसे-तैसे चलाया गया और कई ऐसे निर्णय लिए गए जो प्रशासनिक नियमों और शासकीय प्रक्रियाओं के विपरीत थे।

बता दे की एमसीबी जिला की शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठे ये सवाल केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं हैं,बल्कि सीधे तौर पर विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े हैं, यदि आरोप सही हैं तो यह केवल नियमों की अनदेखी का मामला नहीं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी मानकर नजरअंदाज करता है या फिर निष्पक्ष जांच कर जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाता है।

स्कूल खाली,दफ्तर भरे

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में बिना स्वीकृत पदों के लोगों को जिम्मेदारियां और प्रभार सौंप दिए गए, उन्होंने आरोप लगाया कि पात्रता और वरिष्ठता की अनदेखी कर कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में बैठाया गया, जबकि दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल शिक्षक विहीन होते चले गए, व्यंग्यात्मक अंदाज में उन्होंने कहा कि ऐसा लगने लगा था मानो शिक्षा विभाग का असली उद्देश्य स्कूलों में पढ़ाई नहीं बल्कि कार्यालयों में कुर्सियां भरना रह गया हो, उन्होंने कहा कि कई स्कूलों से शिक्षकों को हटाकर कार्यालयों में अटैच कर दिया गया और परिणाम यह हुआ कि गांवों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती चली गई।

एकल शिक्षक स्कूलों की बिगड़ी स्थिति

गुलाब कमरो ने कहा कि जिले में पहले से ही एकल शिक्षक स्कूलों की स्थिति चिंताजनक थी, लेकिन प्रशासनिक निर्णयों ने हालात और खराब कर दिए,जहां एक शिक्षक पूरे स्कूल की जिम्मेदारी संभाल रहा था,वहां से भी शिक्षकों को कार्यालयों में अटैच कर दिया गया,उन्होंने कहा कि जब गांवों के बच्चे शिक्षक के इंतजार में बैठे हों और शिक्षक फाइलों के बीच बैठा हो, तब समझा जा सकता है कि शिक्षा व्यवस्था किस दिशा में जा रही है,उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शायद शिक्षा विभाग ने यह मान लिया था कि बच्चों की पढ़ाई से ज्यादा जरूरी दफ्तरों की कुर्सियों को गर्म रखना है।

नियम किताबों में,व्यवस्था मनमर्जी से

मनेंद्रगढ़ विकासखंड में प्रभारी विकासखंड स्रोत समन्वयक के प्रभार को लेकर भी पूर्व विधायक ने गंभीर सवाल उठाए, उन्होंने कहा कि शासन के स्पष्ट नियमों के बावजूद परिवीक्षा अवधि में कर्मचारी को प्रभार और आहरण-संवितरण जैसे अधिकार दे दिए गए,उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में ऐसे अधिकार स्थायी और पात्र अधिकारियों को दिए जाते हैं,लेकिन यहां नियमों से ज्यादा व्यवस्था प्रभावी नजर आई, व्यंग्यात्मक लहजे में उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो शासन के नियम सिर्फ फाइलों में सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए हों,पालन के लिए नहीं।

ईमानदार प्रशासन पर भी सवाल

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सबसे बड़ा हमला तत्कालीन प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बोला,उन्होंने कहा तत्कालीन ईमानदार कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के कार्यकाल में भी भारी अनियमितताएं हुईं, जिले को जैसे-तैसे चलाया गया और नियम विरुद्ध प्रभारों पर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। जब नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएं, तब व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है, उनके इस बयान के बाद जिले की प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

प्रभार संस्कृति ने बिगाड़ी व्यवस्था?

जिले में लंबे समय से यह चर्चा रही है कि शिक्षा विभाग में प्रभार संस्कृति तेजी से बढ़ी, जहां नियमित नियुक्ति और पात्रता के आधार पर जिम्मेदारियां तय होनी चाहिए थीं,वहां अस्थायी प्रभारों के जरिए पूरी व्यवस्था चलाई जाती रही, जानकारों का मानना है कि जब किसी विभाग में स्थायी व्यवस्था की जगह अस्थायी प्रभारों पर निर्भरता बढ़ जाती है,तब जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाती है,इसी का असर अब जिले की शिक्षा गुणवत्ता और परीक्षा परिणामों में दिखाई देने लगा है।

शिक्षा व्यवस्था की बदहाली पर उठे सवाल

पूर्व विधायक ने कहा कि आज स्थिति जिले की शिक्षा व्यवस्था पूरे छत्तीसगढ़ में बदहाल स्थिति का उदाहरण बन चुकी है,उन्होंने आरोप लगाया कि पात्र कर्मचारियों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से जिम्मेदारियां दी गईं और इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा,उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अव्यवस्था का सबसे बड़ा नुकसान उन विद्यार्थियों को हुआ जिनका भविष्य सरकारी स्कूलों पर निर्भर है।

जांच हो,जवाबदेही तय हो

गुलाब कमरो ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो न्यायालय की शरण ली जाएगी,उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बढ़ी चर्चा

पूर्व विधायक के बयान के बाद जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है,अब यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वास्तव में नियमों की अनदेखी कर प्रभार दिए गए? क्या पात्र अधिकारियों की उपेक्षा हुई? क्या स्कूलों से शिक्षकों को हटाकर कार्यालयों में बैठाने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई? और सबसे बड़ा सवाल–क्या जिले की बदहाल शिक्षा व्यवस्था के पीछे प्रशासनिक निर्णय जिम्मेदार हैं?

शिक्षा विभाग पर पहले भी उठते रहे सवाल

यह पहला मौका नहीं है जब जिले के शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हों, पहले भी शिक्षकों की कमी,अटैचमेंट,कार्यालयों में पदस्थापन और कमजोर परीक्षा परिणामों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन अब जब पूर्व विधायक ने सीधे तौर पर तत्कालीन प्रशासनिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया है,तब मामला और ज्यादा गंभीर माना जा रहा है।

CMYK

सलमान खान को अक्षय कुमार से किया गया रिप्लेस?

निखिल आडवाणी अपनी 2007 की फिल्म का सीक्वल लाने की योजना बना रहे हैं। इसमें लीड रोल के लिए अक्षय कुमार के नाम पर विचार किया जा रहा है। साल 2007 में निखिल आडवाणी की एक फिल्म आई थी नाम था सलाम-ए-इश्क ये मूवी हॉलीवुड फिल्म लव एक्चुअली की अन-ऑफिशियल रीमेक थी। फिल्म में 6 कपल की कहानी दिखाई गई है जो प्यार, विश्वासघात और शादी जैसे विषयों को दर्शाती है।इसमें अनिल कपूर,जूही चावला,गोविंदा, प्रियंका चोपड़ा,सलमान खान,अक्षय खन्ना,जॉन अब्राहम,विद्या बालन,आयशा टाकिया,शैनन एस्रा,सोहेल खान और ईशा कोप्पिकर सहित कई जाने-माने कलाकार नजर आए थे। अब 19 साल बाद सलाम-ए-इश्क के सीक्वल को लेकर बात चल रही है।

किस एक्टर के नाम पर किया जा रहा विचार?

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार,निखिल सलाम-ए-इश्क का सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं, जिससे उनकी लोकप्रिय रोमांटिक एंथोलॉजी एक फ्रैंचाइजी में तब्दील हो जाएगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इसमें लीड रोल के लिए अक्षय कुमार के नाम पर विचार किया जा रहा है। इसके

अलावा, खबरों के मुताबिक,सीक्वल की कहानी तीन कपल्स के बारे में होगी जिनकी स्टोरी एक-दूसरे से कनेक्टेड होगी। इनकी कहानी नियति, भाग्य और प्रेम के माध्यम से एक-दूसरे से टकराएगी। अक्षय और एक लीड एक्ट्रेस इस कहानी के मुख्य पात्र होंगे। सलाम-ए-इश्क की कहानी मॉडर्न रिश्तों की असलियत पर बेस्ड एक बिल्कुल नई कहानी बताएगी। हालांकि पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार अक्षय कुमार को इस रोल के लिए कास्ट नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि सीक्वल आ रहा या नहीं इसकी अभी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है लेकिन इसमें खिलाड़ी कुमार को कास्ट नहीं किया जा रहा, ये तय है।

तीसरी बार साथ आएंगे अक्षय-निखिल

अक्षय और निखिल पहले भी साथ में काम कर चुके हैं। दोनों को चांदनी चौक टू चाइना और पटियाला हाउस में साथ देखा गया था। अगर सलाम-ए-इश्क में उन्हें कास्ट किया जाता है तो ये दोनों की साथ में तीसरी फिल्म होगी। फिलहाल, फिल्म निर्माताओं ने सीक्वल की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। लेकिन फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आरआरआर के बाद अमेरिका में राम चरण का तूफान

महज 4 घंटे में पेड्डी ने रचा इतिहास, रिलीज से पहले ही टूटे रिकॉर्ड्स !

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आने वाली फिल्म पेड्डी ने रिलीज से पहले ही उत्तरी अमेरिका में इतिहास रच दिया है। साउथ सुपरस्टार राम चरण अपनी आने वाली फिल्म पेड्डी को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। फिल्म पर राम चरण ने कड़ी मेहनत की है और अब आखिरकार पेड्डी रिलीज के लिए तैयार है। 4 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में फिल्म दस्तक दे रही है, लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म ने कमाल कर दिया है।

अमेरिका में फिल्म ने रचा इतिहास

राम चरण की इस फिल्म का डंका भारत से पहले अमेरिका में बज चुका है। पेड्डी 2026 की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म के एलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मेकर्स ने हाल ही में पुष्टि की है कि फिल्म का फाइनल एडिट लॉक हो चुका है। यह फिल्म 3 जून 2026 को अपने वर्ल्ड वाइड प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसके बाद 4 जून को इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। लेकिन प्रीमियर से पहले ही, पेड्डी ने रिकॉर्ड तोड़ प्री-सेल्स के साथ नया कारनामा किया है।
नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म ने महज चार घंटों के भीतर .100 के का आंकड़ा पार कर लिया, जो इतने कम समय में किसी भी भारतीय फिल्म की टिकट बिक्री के लिए एक नया बेंचमार्क है।

रिलीज से पहले ही फिल्म ने की अच्छी कमाई

इस हिसाब से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म अभी रिलीज तक नहीं हुई है, उससे पहले ही फिल्म अच्छी खासी कमाई कर रही है। फिल्म का ट्रेलर भी अभीतक नहीं आया, इससे पहले ही फैंस राम चरण की फिल्म को देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।
आपको बता दें कि अमेरिका प्री-सेल्स की ये जानकारी प्रत्यंगिरा सिनेमाज ने शेयर की है, जो नॉर्थ अमेरिका में इसके डिस्ट्रीब्यूशन का काम संभाल रहे हैं। यह फिल्म नॉर्थ अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और कई देशों में एक बड़े स्तर पर रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के लिए राम चरण ने कड़ी मेहनत की है। वहीं मूवी के पोस्टर और लुक्स सामने आते जा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म के गानों को भी पसंद किया जा रहा है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर , दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। अब तो इंतजार कीजिए 4 जून का जब फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 का ट्रेलर जारी

अभिनेता रणदीप हुड्डा की आने वाली वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह क्राइम-थ्रिलर सीरीज जियो हॉटस्टार पर 15 मई 2026 को प्रसारित की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सुपरकॉप की असली कहानी से प्रेरित इस सीरीज का पहला भाग काफी पसंद किया गया था। सीजन के दूसरे भाग के ट्रेलर में इस बार कहानी पहले से ज्यादा एक्शन से भरपूर नजर आने वाली है।90 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीजन में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की लड़ाई सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि सिस्टम और निजी जिंदगी के संकटों से भी होती दिखेगी। सीजन 2 में कहानी तब और जटिल हो जाती है जब अविनाश का बेटा एक हत्या मामले में फंस जाता है, वहीं उसकी शादीशुदा जिंदगी भी टूटने के कगार पर पहुंच जाती है। ट्रेलर में अपराध, राजनीति और भ्रष्टाचार के खतरनाक गठजोड़ के खिलाफ उसकी जंग को दमदार तरीके से दिखाया गया है। इस सीरीज में उर्वशी रौतेला,अमित सियाल,अभिमन्यु सिंह और शालिन भनोट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्देशक नीरज पाठक के निर्देशन में बनी यह सीरीज पहले सीजन से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने और एक्शन के साथ वापसी कर रही है। ट्रेलर ने साफ कर दिया है कि इस बार कहानी और भी ज्यादा रोमांचक,और इमोशनल होने वाली है।

पिंक अनारकली सूट और बालों में गजरा,अनन्या पांडे ने दिखाईं दिलकश अदाएं,नजरें हटाना मुश्किल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म के हीरो लक्ष्य हैं. ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अनन्या आजकल फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो पिंक कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैं. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

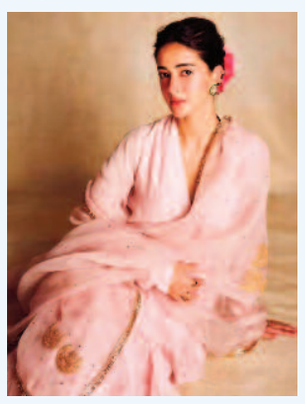

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है. उन्होंने हाल ही में फैंस के बीच अपना ट्रेडिशनल लुक शेयर किया, जिसमें वो पेस्टल पिंक कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं. इस सूट पर गोल्डन बॉर्डर का बारीक काम उनके लुक को रिच और एलीगेंट टच दे रहा है. सॉफ्ट, एलीगेंट और ट्रेडिशनल वाइब से भरपूर अनन्या पांडे का यह लुक बेहद ग्रेसफुल लग रहा है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. अनन्या पांडे ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का और नेचुरल मेकअप किया है. उन्होंने अपने बालों को स्लीक बन में बांधा है, जिसे पिंक फूलों से सजाया गया है, जो उनके पूरे लुक को और भी एलीगेंट बना रहा है.

खेल समाचार

श्रेयस अय्यर होंगे भारतीय वनडे और टी-20 टीम के कप्तान

नईदिल्ली,08 मई 2026। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टी-20 और वनडे क्रिकेट के लिए एक ही कप्तान नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। अजित अगरकर की चयन समिति के सूत्रों के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर श्रेयस अय्यर की टी-20 टीम में वापसी हो सकती है। सूर्यकुमार यादव की जगह वो कप्तान बन सकते हैं। बोर्ड की इच्छा है कि दोनों प्रारूपों में एक ही कप्तान हो, इसलिए उन्हें दोनों जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, नई टी-20 टीम की घोषणा में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। हम ऐसे खिलाड़ी पर विचार कर रहे हैं जो टी-20 और वनडे दोनों टीमों की कप्तानी कर सके। हमारा ध्यान दोनों प्रारूपों पर है। बीसीसीआई युवा प्रतिभाओं को मौका देने के साथ अनुभवी खिलाडि ों को भी अवसर देना चाहता है। श्रेयस ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है, उनकी चोटें दुर्भाग्यपूर्ण रही हैं। सूत्र ने आगे कहा, इस साल श्रेयस अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी की कप्तानी काफी साहस और समर्पण के साथ की है। हां,

वह सफेद गेंद के कप्तान पद के शीर्ष दावेदार हैं। सूर्यकुमार हमारे विश्व कप विजेता कप्तान रहे हैं और उनके योगदान को भी सम्मान मिलेगा। सूत्र ने साथ ही संकेत दिया कि प्रबंधन सूर्यकुमार के प्रभाव को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं करेगा। टी-20 टीम के कप्तान का प्रदर्शन मुंबई इंडियंस के लिए इस संस्करण बेहद खराब रहा है। सूर्यकुमार जुलाई 2024 से भारत की टी-20 टीम के कप्तान हैं। हालांकि, उनका प्रदर्शन लगातार अस्थिर रहा है और इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी उन्होंने कुछ ही अच्छे प्रदर्शन किए थे। वह लंबे समय से कलाई की चोट से जूझ रहे हैं।

विनेश फोगाट एशियन गेम्स के ट्रायल्स से बाहर

नईदिल्ली,08 मई 2026। एशियन गेम्स से कुछ ही महीने पहले, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने के लिए नए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया जारी किए हैं. जिससे अनुभवी पहलवान विनेश फोगाट के लिए एशियन गेम्स में भाग लेने के दरवाजे लगभग बंद हो गए हैं.दरअसल डब्ल्यूएफआई ट्रायल्स के लिए नए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया जारी किया है. जिसमें कहा गया है कि एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल्स में सिर्फ 2025 और 2026 की प्रतियोगिताओं में मेडल जीतने वाले पहलवान ही हिस्सा ले सकते हैं.इस क्राइटेरिया के अनुसार विनेश फोगाट, जो हरियाणा में कांग्रेस की विधायक भी हैं, ट्रायल्स में भाग लेने से बाहर हो गईं, क्योंकि पेरिस ओलंपिक्स 2024 में निराशाजनक रूप से बाहर होने के बाद से उन्होंने किसी भी प्रोफेशनल इवेंट में हिस्सा नहीं लिया है. बता दें कि महिला पहलवानों के लिए ये ट्रायल्स 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी

इंडोर स्टेडियम में होंगे.बता दें कि डब्ल्यूएफआई का यह फैसला विनेश के उन डर को भी सही साबित करता है कि डब्ल्यूएफआई हर वो मुमकिन कोशिश करेगा जिससे फोगाटो को ट्रायल्स में हिस्सा लेने से रोका जा सके. फोगाट ने पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उन्हें घरेलू सर्किट में वापसी करने से रोकने की कोशिश कर रहा है.

लखनऊ ने आरसीबी को 9 रनों से हराया

बेंगलुरु ने गंवाया ये बड़ा मौका पॉइंट्स टेबल का बदला समीकरण

लखनऊ,08 मई 2026। आईपीएल 2026 के 50 वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रनों से हरा दिया। इस जीत से लखनऊ को 2 अंक मिले, लेकिन पॉइंट्स टेबल में उसकी स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया। वहीं, आरसीबी टॉप पर पहुंचने का बड़ा मौका गंवा बैठी।

मिचेल मार्श का शतक,प्रिंस यादव की घातक गेंदबाजी

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मैच

में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए। मिचेल मार्श ने यादगार शतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में आरसीबी को डीएलएस के तहत 213 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन प्रिंस यादव की घातक गेंदबाजी के सामने पूरी टीम 203 रन पर सिमट गई।

पॉइंट्स टेबल में क्या बदला?

इस जीत के बाद लखनऊ के 10 मैचों में 6 अंक हो गए हैं, जो मुंबई इंडियंस के बराबर हैं। लेकिन नेट रन रेट में पीछे होने के कारण एलएसजी अभी भी 10वें स्थान पर है। आरसीबी को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। 10 मैचों में 12 अंक के साथ टीम तीसरे स्थान पर बनी हुई है।

टॉप-4 में अभी भी पुरानी टीमें

पॉइंट्स टेबल में टॉप-4 की स्थिति लगभग स्थिर है। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंकों के साथ पहले, पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ दूसरे, आरसीबी 12 अंकों के साथ तीसरे और राजस्थान रॉयल्स-गुजरात टाइटंस 12-12 अंकों के साथ चौथे-पांचवें स्थान पर हैं। चेन्नई 10 अंकों के साथ छठे स्थान पर है।

मैच से बदल सकता है समीकरण

अब 8 मई को दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच खेला जाएगा। दिल्ली के पास 8 अंक हैं (7वें स्थान), जबकि केकेआर के पास 7 अंक हैं (8वें स्थान)। अगर दिल्ली जीती तो उसके 10 अंक हो जाएंगे, लेकिन रन रेट के कारण वो 7वें स्थान पर ही रहेगी। वहीं, केकेआर की जीत पर उसके 9 अंक हो जाएंगे और वो दिल्ली को पीछे छोड़ 7वें स्थान पर पहुंच जाएगी

यू-17 एशियन कप में यंग टाइग्रेस ने लेबनान को बुरी तरह हराया

सूज़ौ ,08 मई 2026। भारत ने 8 मई को सूज़ौ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 पर अपने आखिरी ग्रूप बी मैच में लेबनान के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत के साथ एएफसी यू-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। यंग टाइग्रेस के लिए प्रीतिका बर्मन ने दो गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जबकि अल्वा देवी सेनजम और जोया ने भी गोल किए। इसके साथ ही भारत ने 2005 के बाद पहली बार एएफसी यू- 17 महिला एशियाई कप में अपनी पहली जीत और पहले गोल दर्ज किए। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की एक रिलीज़ के अनुसार, इस शानदार जीत ने भारत को टूर्नामेंट की दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में से एक के रूप में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के लिए मज़बूत स्थिति में ला दिया है। इस नतीजे के बाद, फिलीपींस को चीनी ताइपे को 12 गोल से हराना होगा, जबकि चीनी ताइपे को 13 गोल

से जीत की ज़रूरत होगी। यह जानते हुए कि केवल एक जीत ही उनकी क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को ज़िंदा रखेगी, भारत ने–जिसने अपने पिछले मैच से सिर्फ़ एक बदलाव किया था, जिसमें पर्ल फर्नांडिस की जगह अनुष्का कुमारी को शामिल किया गया था–पूरी लगन के साथ शुरुआत की और छठे ही मिनट में बढ़त बना ली। दिव्यानी लिंडा ने राइट-बैक से आगे की ओर एक लंबी गेंद फेंकी, जिसे प्रीतिका ने शानदार ढंग से कंट्रोल किया और फिर लेबनान की डिफेंडर जोया बू असाफ़ को छकाते हुए आगे बढ़ गईं। इसके बाद इस विंगर ने गोलकीपर मैरी जो चेबली को छकाते हुए अपने बाएं पैर से एक ज़ोरदार शॉट लगाया, जिससे भारत को एक बेहतरीन शुरुआत मिली। इस शुरुआती सफलता ने यंग टाइग्रेस को आत्मविश्वास से भर दिया, जिन्होंने जल्द ही आत्मविश्वास भरी पासिंग और अटैकिंग थर्ड में आक्रामक दबाव बनाकर मैच पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया।
कुछ ही देर बाद भारत अपनी बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंच गया, जब अनुष्का कुमारी को बॉक्स के अंदर खाली जगह मिली, लेकिन उनके प्रयास को मैरी ने शानदार ढंग से बचा लिया। प्रीतिका लेबनान के डिफेंस को लगातार परेशान करती रहीं और 16वें मिनट में अपना दूसरा गोल करने के बेहद करीब पहुंच गईं, लेकिन एक बार फिर गोलकीपर ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया।

दिल्ली में बीयूडीएक्स एनबीए हाउस 2026 की अगुवाई करेंगे इसैया थॉमस और डेमार्कस कजिन्स

नईदिल्ली,08 मई 2026। नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन ने आज महान हस्तियों इसाया थॉमस और डेमार्कस कजिन्स का स्वागत किया। यह स्वागत बीयूडीएक्स एनबीए हाउस के दूसरे संस्करण से पहले किया गया, जो 9 और 10 मई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाला है। बीयूडीएक्स एनबीए हाउस एक हाई-एनर्जी, इमर्सिव फैन अनुभव है जो बास्केटबॉल, संगीत, स्टाइल और संस्कृति के मेल का जश्न मनाता है। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार, इस जोड़ी–दो बार के एनबीए चैंपियन और हॉल ऑफ़ फेमर इसाया थॉमस, और चार बार के एनबीए ऑल-स्टार डेमार्कस कजिन्स–ने खेल के प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए पूरे प्रोग्रामिंग लाइन-अप का भी अनावरण किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, एनबीए के एपीएसी में रणनीति प्रमुख, राजा चौधरी ने कहा कि बीयूडीएक्स एनबीए हाउस का उद्देश्य बास्केटबॉल को संगीत, फैशन, स्नीकर संस्कृति और सामुदायिक जुड़ाव के साथ मिलाकर एनबीए अनुभव को भारतीय प्रशंसकों के और करीब लाना है। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में सफल शुरुआत के बाद, इस कार्यक्रम के नई दिल्ली संस्करण में एनबीए के दिग्गज, सेलिब्रिटी गेम्स, लाइव परफॉर्मेंस और इंटरैक्टिव फैन अनुभव शामिल होंगे।

महासमुंद में 2 दिन में डेढ़ करोड़ का गांजा पकड़ाया

एंबुलेंस-पिकअप से तस्करी,ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे,7 अरेस्ट

महासमुंद,08 मई 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में शुक्रवार को पुलिस ने एम्बुलेंस से 77 किलो गांजा जब्त किया है। इसके साथ 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने पायलेटिंग कार और 5 मोबाइल भी जब्त किया है। जब्त माल की कुल कीमत 50.45 लाख आंकी गई है। वहीं एक दिन पहले ही पुलिस ने पिकअप से 1.14 करोड़ का गांजा बरामद किया था। इस मामले में 2 आरोपी अरेस्ट किए गए थे। इस तरह 2 दिनों में पुलिस ने डेढ़ करोड़ से ज्यादा का गांजा पकड़ा है। बता दें कि 4 महीने पहले भी पुलिस ने एम्बुलेंस से 5 क्विंटल 20 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 2 करोड़ 60 लाख रुपए बताई गई थी। इन तीनों ही मामलों में तस्कर ओडिशा से गांजा लेकर महासमुंद के रास्ते महाराष्ट्र ले जा रहे थे।

केस- 01, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

दरअसल, कोमाखान थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से महासमुंद की ओर एम्बुलेंस में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टेमरी जांच नाका पर घेराबंदी की। इस दौरान एम्बुलेंस (एमएच-13-सीयू-0707) को रोका गया। इसके अलावा पुलिस ने पायलटिंग कार (एमएच-12-एनबी-5277) को भी रोका। वाहनों की तलाशी और पूछताछ के दौरान एम्बुलेंस से करीब 77 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एंबुलेंस चालक आकाश उर्फ अक्षय जाधव (27) जिला धाराशिव, पायलटिंग कार में सवार अन्य आरोपी लिंबाजी जाधव (33),जिला धाराशिव, धनंजय लोखंडे (25),जिला सोलापुर, प्रथमेश पिंगले (20),जिला सोलापुर और अजय काले (25),जिला धाराशिव) शामलि हैं।

एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज

जांच में सामने आया कि तस्कर गांजा ओडिशा के बालीगुडा से महाराष्ट्र के सोलापुर ले जा रहे थे। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(II)(C) और 29 के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया।

इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया। जब्त किए गए 77 किलोग्राम गांजा की कीमत लगभग 38 लाख 50 हजार, एम्बुलेंस की करीब 8 लाख, पायलटिंग कार की कीमत करीब 3 लाख और पांच मोबाइल की कीमत लगभग 95 हजार रुपए आंकी गई है। इस प्रकार पुलिस ने 50.45 लाख का माल बरामद किया गया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

केस- 02- पिकअप वाहन से गांजे की तस्करी

महासमुंद की सिंघोड़ा थाना पुलिस ने गुरुवार को ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे 226.600 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ 2 अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की कीमत करीब 1 करोड़ 14 लाख 30 हजार रुपए आंकी गई है। वहीं पिकअप वाहन और मोबाइल फोन समेत कुल 1 करोड़ 22 लाख 75 हजार रुपए की संपति जब्त की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र नंबर की एक पिकअप वाहन में भारी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर एनएच-53 स्थित सिल्की ढाबा के पास ग्राम गनियारीपाली में नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक एमएच16सीडी8741 को रोककर तलाशी ली गई।

प्लास्टिक की बोरियों में छिपाकर रखा था गांजा

वाहन में चालक अजिनाथ आश्रु जाधव (28) निवासी अहमदनगर महाराष्ट्र और उसका साथी अक्षय बारूक मोरे (32) सवार मिले। तलाशी के दौरान पुलिस को पिकअप में रखे खाली कैरेट के पीछे प्लास्टिक की बोरियों में छिपाकर रखा गया गांजा मिला। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा के बालीगुडा क्षेत्र से गांजा लेकर महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस ने मौके से 226.600 किलो गांजा, एक पिकअप वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त किए।

हमें बचा लो...युवती के मैसेज से मचा हड़कंप

झारखंड में बंधक बनाई गई छत्तीसगढ़ की 35 बेटियां

कांकेर,08 मई 2026। नौकरी के नाम पर झारखंड में छत्तीसगढ़ के 35 युवतियों को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। एक युवती के फोन से गांव के युवक को भेजे गए मदद के संदेश के बाद मामले का खुलासा हुआ। परिजनों ने शासन-प्रशासन से बेटियों की सुरक्षित वापसी की मांग की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और पुलिस संबंधित जिले के अधिकारियों से संपर्क कर जांच व तलाशी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि 35 लोगों में 15 कांकेर और बाकी युवतियां छत्तीसगढ़ के अन्य जिले की है। मिली जानकारी के अनुसार सभी को नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया, जिसके बाद सभी झारखंड पहुंच गई, लेकिन अब उन्हें जबरन बंधक बनाकर काम लिया जा रहा है। इस दौरान दुर्गुकोंदल इलाके के खुटगांव की एक युवती ने अपने परिचित के एक युवक को मोबइल पर संदेश भेजकर अपनी आपबीती बताई। युवती ने बताया कि उसे और अन्य युवतियों को झारखंड के गढ़वा जिले में बंधक बनाकर रखा गया है और काम लिया जा रहा है। प्रशासन को जब इस बात की जानकारी हुई प्रशासन ने त्वरित रूप से संज्ञान में लिया और गढ़वा जिला प्रशासन से संपर्क कर खोजबीन की कार्यवाही शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने कही ये बात

इस मामले में कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर का कहना है कि जानकारी प्राप्त हुई है कि झारखंड के गढ़वा जिले में कांकेर व अन्य जिले की युवतियां नर्सिंग व अन्य कार्य के लिए गए थे, जिसमें शिकायत आई है कि कुछ युवतियों को बधंक बनाया गया है। युवतियों को सकुशल वापस लाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम लगी हुई है।

मंत्री राजवाड़े का भी बयान आया सामने

इस मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का कहना है कि उनकी कलेक्टर से बात हुई है। बताया गया है कि कुछ अपनी मर्जी से गई है, जिसमें कुछ आना चाहती है। युवतियों को वहां से लाने प्रशासन की टीम लगी हुई है। जल्द संपर्क कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

गढ़वा पुलिस ने भी स्पेशल टीम बनाई है

जानकारी के मुताबिक, झारखंड की गढ़वा पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लिया और स्पेशल टीम बनाई है, जिसने युवतियों की तलाश और जांच अभियान शुरू कर दिया है। इन युवतियों से जबरन काम कराए जाने की बात भी कही जा रही है, जो जांच के बाद क्लीयर होगा।

सामाजिक कार्यकर्ता भी सामने आए

सामाजिक कार्यकर्त्ता ललित नरेटी ने वायरल वीडियो पर रेस्क्यू कर लड़कियों को वापस लाने की बात कही है। इस संबंध में जिला प्रशासन की मदद से झारखंड के गढ़वा जिले के प्रशासन और पुलिस से संपर्क किया गया है।

आईएएस पुष्पा साहू बनीं माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव

रायपुर,08 मई 2026। राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कार्यभार में फेरबदल करते हुए नई नियुक्तियां जारी की हैं। इस आदेश के तहत शिक्षा और जिला स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। वर्ष 2012 बैच की आईएएस अधिकारी पुष्पा साहू को सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पद पर नियुक्त किया गया है। ज्ञातव्य है कि 6 मई 2026 को जारी आदेश के तहत पुष्पा साहू को सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पद पर नियुक्त किया गया था, जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए आगामी आदेश तक सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पद पर नियुक्त किया गया है।

10 थाना प्रभारी और एक 1 चौकी प्रभारी समेत 13 पुलिस अधिकारियों के तबादले

धमतरी,08 मई 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में 8 निरीक्षक, 3 उप निरीक्षक व 2 सहायक उप निरीक्षकों के तबादले हुए है। लिस्ट में 10 थाना प्रभारियों, 1 चौकी प्रभारी को भी बदला गया है। यह तबादले जिले में कानून व्यवस्था को और भी मजबूत बनाने के लिए किया गया है। टीआई कोतवाली के जिला रायपुर स्थानांतरण होने से थाना कोतवाली प्रभारी का पद रिक्त हो गया था। वहीं, एसपी रीडर के कवर्धा स्थानांतरण के बाद टीआई भखारा को एसपी रीडर पद पर पदस्थ किया गया, जिसके कारण थाना प्रभारी भखारा का पद भी खाली था। साथ ही साइबर सेल के साइबर थाना में उन्नयन होने से वहां निरीक्षक स्तर के अधिकारी की पदस्थापना आवश्यक थी।

बिजली कर्मियों का डीए बढ़ा

रायपुर,08 मई 2026। एक बार फिर राज्य शासन से पहले छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने अपने हजारों अधिकारी-कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए केंद्र द्वारा घोषित महंगाई भत्ते की तरह 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब कर्मचारियों को 60% डीए देय होगा। यह वृद्धि 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी।मई के वेतन से कर्मचारियों को नई दर से भुगतान किया जाएगा। जनवरी से अप्रैल तक के 4 महीनों के बकाया का भुगतान मई से अगस्त 2026 के बीच चार समान किस्तों में किया जाएगा।

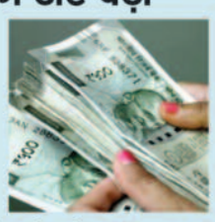

बड़ी राहत : पेंशनर्स को मिलेगा छठवें-सातवें वेतनमान का बकाया एरियर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया आदेश

बिलासपुर,08 मई 2026। हाईकोर्ट ने पेंशनरों को बड़ी राहत दी है. कोर्ट ने राज्य सरकार को 120 दिनों के भीतर छठवें-सातवें वेतनमान का बकाया एरियर देने का आदेश दिया है। यह आदेश मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 की धारा 49 के तहत दिया गया है। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज के प्रांताध्यक्ष चेतन भारती ने 12 अगस्त 2021 को याचिका दायर की थी। उन्होंने लंबे समय तक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर पेंशनरों की समस्याओं से अवगत कराया था। शासन स्तर पर समाधान नहीं मिलने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 की धारा 49(6) की व्याख्या करते हुए कहा कि वित्तीय भुगतान को लेकर राज्यों के बीच सहमति की अनिवार्यता पेंशनरों के अधिकारों में बाधा नहीं बन सकती। हाईकोर्ट ने डॉ. सुरेंद्र नारायण गुप्ता के मामले का हवाला देते हुए छठे और सातवें वेतनमान के एरियर भुगतान का मार्ग प्रशस्त किया। कोर्ट के फैसले के मुताबिक, एक जनवरी 2006 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 32 माह का एरियर दिया जाएगा।

संबित मिश्रा होंगे रायपुर निगम के नए आयुक्त

सोमवार को संभालेंगे जिम्मेदारी,2018 बैच के हैं आईएएस अधिकारी

रायपुर,08 मई 2026। रायपुर नगर निगम में नए आयुक्त की नियुक्ति कर दी गई है। 2018 बैच के आईएएस अधिकारी संबित मिश्रा अब नगर निगम की कमान संभालेंगे। वे सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे। प्रशासनिक गलियारों में उनकी पहचान फील्ड में सक्रिय रहने वाले और तकनीक आधारित कामकाज को बढ़ावा देने वाले अधिकारी के रूप में रही है। ओडिशा के भुवनेश्वर से ताल्लुक रखने वाले संबित मिश्रा ने यूपीएससी परीक्षा में ऑल इंडिया 51वीं रैंक हासिल की थी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई उन्होंने आईआईटी कानपुर से की, जबकि पब्लिक मैनेजमेंट में मास्टर्स की डिग्री जेएनयू से ली। अपने अब तक के कार्यकाल में उन्होंने नगरीय

प्रशासन से लेकर पंचायत और नक्सल प्रभावित इलाकों तक काम किया है। रायगढ़ नगर निगम आयुक्त, जशपुर जिला पंचायत सीईओ और कोरबा जिला पंचायत सीईओ जैसे पदों पर रहते हुए उन्होंने कई योजनाओं की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन संभाला।

बीजापुर कलेक्टर रहते फील्ड में सक्रिय कार्यशैली रही चर्चा में : बीजापुर कलेक्टर रहते हुए उनका कार्यशैली सबसे ज्यादा चर्चा में रही। नक्सल प्रभावित गांवों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद करना और मौके पर समस्याओं का समाधान निकालना उनकी पहचान बना। बांगोली जैसे दूरस्थ गांव तक पैदल पहुंचने की तस्वीरें भी उस दौरान काफी चर्चा में रही थीं।

सफाई, ट्रैफिक और अतिक्रमण जैसी चुनौतियां सामने

अब रायपुर नगर निगम में उनके सामने शहर की सफाई व्यवस्था, जलभराव, ट्रैफिक, अवैध निर्माण, अतिक्रमण और टैक्स वसूली जैसी बड़ी चुनौतियां होंगी। साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की रफ्तार और जमीनी मॉनिटरिंग पर भी उनकी परीक्षा होगी। माना जा रहा है कि वे फील्ड विजिट और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए निगम प्रशासन में तेजी लाने की कोशिश करेंगे।

छत्तीसगढ़ में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत अब घर बैठे मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

रायपुर,08 मई 2026। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए नई सुविधा शुरू की है। अब नए बिजली कनेक्शन के लिए लोगों को बिजली दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विभाग ने 1 अप्रैल 2026 से नई बिजली कनेक्शन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता घर बैठे कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, 'मोर बिजली' मोबाइल एप और कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। विभाग का कहना है कि इस पहल से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान होगी। बिजली कंपनी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन मिलने के बाद आगे की सभी कार्रवाई विभागीय स्तर पर की जाएगी। वहीं जो लोग ऑफलाइन आवेदन जमा

करेंगे, उनके आवेदन को संबंधित वितरण केंद्र, जोन या उपसंभाग कार्यालय के हेल्प डेस्क पर ऑनलाइन दर्ज किया जाएगा। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी या इंजीनियर आवेदक के मोबाइल नंबर से आवेदन पंजीकृत करेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब सभी नए बिजली कनेक्शन के आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं से आधिकारिक प्लेटफॉर्म का उपयोग करने की अपील की गई है।

हाई कोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदला

बिलासपुर,08 मई 2026। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया है। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा है, मृत्युदंड केवल अत्यंत दुर्लभ मामलों में ही दिया जा सकता है। यदि यह सख्त मानदंड पूरा नहीं होता है, तो मृत्युदंड को आजीवन कारावास में परिवर्तित करना आवश्यक है। साथ ही यह निर्देश भी दिया जाता है, यह आजीवन कारावास दोषी के पूरे जीवनकाल तक जारी रहेगा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, वर्तमान मामले में, ऐसा निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। रिकॉर्ड में ऐसा कोई भी सबूत नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि आरोपी के

सुधरने या पुनर्वास की कोई संभावना नहीं है। ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह दर्शाता हो कि आरोपी समाज के लिए निरंतर खतरा है या उसमें इतनी गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति है कि उसका अस्तित्व ही सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिकूल हो। इसके अलावा, यह महत्वपूर्ण है कि दोषसिद्धि पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

बोर्ड कॉपी जांच में लापरवाही...79 शिक्षक ब्लैकलिस्ट

36 मूल्यांकन केंद्रों में मिली गड़बड़ी, 50 नंबर तक दिए गलत अंक

रायपुर,08 मई 2026। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिका जांच में गंभीर लापरवाही बरतने वाले 79 शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई की है। मूल्यांकन में 20 से लेकर 50 अंकों तक की भारी गड़बड़ी पाए जाने पर इन शिक्षकों को 3 से 6 साल तक बोर्ड के सभी कामों से हटा दिया गया है और उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी संबंधित शिक्षकों की एक साल की वेतन वृद्धि रोकने की अनुशंसा भी की गई है। माशिमं की परीक्षा समिति की जांच में सामने आया कि प्रदेश के 36 मूल्यांकन केंद्रों में कॉपियां जांचने के दौरान बड़ी लापरवाही हुई। कार्रवाई की जद में आए

शिक्षकों में 10वीं के 49 और 12वीं के 30 शिक्षक शामिल हैं। 10वीं कक्षा में हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत विषयों की कॉपियों में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। वहीं 12वीं में हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, रसायन, जीवविज्ञान, गणित, लेखाशास्त्र और अर्थशास्त्र विषयों के मूल्यांकनकर्ताओं पर कार्रवाई की गई है।

20 से 40 नंबर की गलती: 3 साल का बैन : कॉपी जांच में 20 से 40 अंकों तक की गलती करने वाले शिक्षकों को 3 साल तक बोर्ड कार्यों से दूर रखा जाएगा। इस श्रेणी में सबसे ज्यादा शिक्षक हैं। इनमें 10वीं के 44 और 12वीं के 25 शिक्षक शामिल हैं।

41 से 49 नंबर की गलती: 5 साल का बैन: 41 से 49 अंकों तक की बड़ी गड़बड़ी करने वाले 4 शिक्षकों पर 5 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इनमें 10वीं और 12वीं के 2-2 शिक्षक शामिल हैं।

50 नंबर या उससे ज्यादा की चूक: 6 साल का बैन : 50 या उससे अधिक अंकों की गंभीर गलती करने वाले शिक्षकों को 6 साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया है। इसमें 10वीं के हिंदी और गणित विषय के 3 शिक्षक तथा 12वीं के राजनीति विज्ञान और गणित विषय के 3 शिक्षक शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में निकाय-पंचायत चुनाव की घोषणा

1 जून को वोटिंग,4 जून को आएंगे नतीजे,उम्मीदवार 18 मई तक भर सकेंगे नामांकन

रायपुर,08 मई 2026। 8 मई 20267 राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के उप चुनाव हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया है, 01 जून को मतदान एवं 04 जून को चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार 08 मई 2026 को राज्य के नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया है। कार्यक्रम अनुसार नगरीय निकायों तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन की कार्रवाई दिनांक 11 मई 2026 से प्रारम्भ होकर दिनांक 04 जून 2026 तक संपन्न होगी। नगरपालिकाओं के अध्यक्ष के 05 पद तथा वार्ड के पार्षद के 77 पद, कुल 82 पदों तथा त्रिस्तरीय पंचायतों में जनपद पंचायत सदस्य के 10, सरपंच के 82 तथा पंच के 1136 पद, कुल 1228 रिक्त पद की पूर्ति हेतु नाम निर्देशन पत्र 11 मई 2026 से 18 मई 2026 तक प्राप्त किये जाएंगे, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 19 मई 2026 को होगी तथा 21 मई 2026 तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। नगरीय निकायों हेतु मतदान तिथि 01 जून 2026 एवं परिणामों की घोषणा 04 जून 2026 को की जाएगी। त्रिस्तरीय पंचायतों हेतु मतदान एवं मतगणना 01 जून 2026 को की जाएगी, सारणीकरण एवं परिणामों की घोषणा दिनांक 04 जून 2026 को की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा

निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ऐसे नगर पालिकाओं के एवं पंचायत क्षेत्रों में जहां निर्वाचन सम्पन्न होना है, आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया, आयोग द्वारा आम/उप निर्वाचन हेतु विहित कार्यक्रम जारी कर जिला निर्वाचन अधिकारियों को, कार्यक्रम अनुसार निर्वाचन की कार्यवाही करने के निर्देश प्रसारित कर दिये है तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से निर्वाचन संपन्न कराने हेतु आयोग द्वारा व्यापक तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार नगरीय निकायों के कुल 44525 मतदाता तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के कुल 1037789 मतदाता निर्वाचन में भाग लेंगें। मतदान के लिए नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु कुल 115 तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के अंतर्गत कुल 937 मतदान केन्द्र निर्धारित किये गये है।

खंबे से टूटकर लटक रहा था हाईटेंशन तार,करंट की आग में जिंदा जला बाइक सवार

गरियाबंद,08 मई 2026। जिले में शुक्रवार को एक भयावह हादसे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। जंगल से घर लौट रहे एक युवक की खंबे से टूटकर लटक रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। करंट इतना तेज था कि युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला और देखते ही देखते उसकी बाइक आग के गोले में बदल गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय यशवंत ध्रुव के रूप में हुई है, जो दसपुर गांव का निवासी था।

जानकारी के मुताबिक, यशवंत जंगल से तेंदूपत्ता लेकर बाइक से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान दसपुर बांध के पास सड़क किनारे खंबे से टूटा हुआ 11 केवी बिजली तार नीचे लटक रहा था। बताया जा रहा है कि बाइक गुजरते समय तार उसकी गर्दन में उलझ गया और कुछ ही सेकंड में तेज करंट दौड़ गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)